RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः52 , रविवार, 05 अप्रैल 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

नए सत्र 2026-27 का शुभारंभ हवन-पूजन के साथ, वैदिक मंत्रों से गुंजायमान हुआ विद्यालय ... 03

तुरकौलिया में जहरीली स्प्रिट का कहर जारी, तीसरे दिन तीन और मौतें; मृतकों की संख्या ... 04

सुबह सही तो सब सही, सामंथा रूथ प्रभु ने शेयर किया अपना पावर... 07

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर में कई जगहों पर लैंडस्लाइड

- एनएच-44 पर गिरे पत्थर, दोनों तरफ से ट्रैफिक बंद

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर कई जगहों पर भूस्खलन हुआ है। शनिवार को भारी बारिश और मौसम के खराब मिजाज के कारण रामबन जिले के कई क्षेत्रों में यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। एनएच 44 पर भूस्खलन के कारण पत्थर गिरने लगे जिससे रास्ता बाधित हुआ। भूस्खलन के कारण गंगरू, हिंगनी और शालगड़ी सुरंग क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित

हुए हैं। सुरंग क्षेत्रों के आसपास पत्थर गिरने और मिट्टी धंसने की घटनाएं भी सामने आई हैं। इसके अलावा मेहर के पास भूस्खलन होने से रास्ता बाधित हुआ है। प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से दोनों तरफ से यातायात को रोक दिया है। कई ट्रक और यात्री वाहन रास्ते में फंसे हुए हैं। हाईवे अथॉरिटी और प्रशासन मलबा हटाने के काम में जुटे हैं, लेकिन लगातार हो रही बारिश और गिरते पत्थरों के कारण काम में रुकावट आ रही है। यात्रियों का सलाह दी गई है कि सफर करने से पहले मौसम का मिजाज देख लें और यदि आवश्यक न हो तो यात्रा करने से बचें। 10 अप्रैल तक मौसम में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। आज देर शाम तक आसमान में बादल छाए रहेंगे और कई स्थानों पर रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी होनी की संभावना है। इसके साथ ही ओले गिरने का भी अनुमान है। इसके बाद धीरे-धीरे मौसम में सुधार होगा।

महाराष्ट्र के नासिक में कुएं में गिरी कार, 9 मौत

- सभी एक ही परिवार के, इनमें 6 बच्चे भी शामिल

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक जिले में एक कार के कुएं में गिरने से एक परिवार के छह बच्चों समेत 9 लोगों की मौत हो गई। हादसा शुक्रवार रात करीब 10 बजे डिंडोरी शहर के शिवाजी नगर इलाके में हुआ। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित परिवार एक बैंक्वेट हॉल में फंक्शन में

शामिल होने के बाद घर जा रहे थे, तभी उनकी कार वेन्यू के पास एक कुएं में गिर गई। लोग मौके पर पहुंचे और आधी रात को दो क्रेन और तैराकों की मदद से कार और उसमें सवार लोगों को बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार, मरने वालों की पहचान सुनील दत्तू दरगुडे (32), उनकी पत्नी रेशमा, एक अन्य महिला आशा अनिल दरगुडे (32) और परिवार के छह बच्चों (पांच लड़कियां और एक लड़का) के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा कि वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ड्राइवर को कुआं कैसे नहीं दिखा। उन्होंने आगे कहा, हम चश्मदीदों की तलाश कर रहे हैं और घटना के सीसीटीवी फुटेज चेक कर रहे हैं।

केरलम में एलडीएफ जाएगी एनडीए आएगी

- मोदी बोले-पहले भी यहां आया, इस बार हवा का रुख कुछ और है

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरलम के थिरुवल्ला पहुंचे पीएम मोदी ने कहा कि इस बार के चुनाव में केरलम में लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) की सरकार जाएगी और नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) की सरकार आएगी। उन्होंने कहा कि मैं पहले भी केरलम आया हूं, लेकिन इस बार हवा का रुख कुछ अलग है। केरल एक ऐतिहासिक बदलाव के लिए तैयार है। इस बार सत्ता परिवर्तन होगा। पीएम ने कहा कि यहां सबरीमाला रेलवे प्रोजेक्ट इस इलाके में नई संभावनाएं खोल सकता है। यह सबरीमाला से सीधी कनेक्टिविटी बढ़ाएगा, लोकल बिजनेस को नई रफ्तार देगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खोलेगा। जब बीजेपी की डबल इंजन वाली सरकार सत्ता में आएगी, तो ऐसी सभी रुकावटें दूर हो

जाएंगी, यह मोदी की गारंटी है। आज केरलम में युवाओं का पलायन सबसे बड़ी चिंता है। यहां रोजगार के लिए इंडस्ट्री लगाने की जरूरत है। यहां सर्विस सेक्टर बने, स्टार्टअप को जगह मिले, सही वेल्यू मिले। लेकिन यहां सबसे बड़ी दीवार करप्शन और कम्युनिलज्म है। जब ये दीवार टूटेगी केरलम बढ़ेगा।

लोकसभा और राज्यसभा में 33 फीसदी महिला आरक्षण होगा

पीएम बोले 33 फीसदी महिलाएं चुन कर आएंगी। लोकसभा-राज्यसभा में 33 फीसदी महिला आरक्षण होगा। 3 दिन के लिए 16-18 अप्रैल को बजट सत्र का सेशन होगा। जो कानून हमने पारित किया है। 2029 में लोकसभा के चुनाव से 33 फीसदी महिला आरक्षण का लाभ मिलना शुरू होगा। इसका फासदा हमारे दक्षिण भारत के राज्यों को मिले। हमने सभी विपक्षी दलों को मीटिंग में बुलाया है। मैं सभी राजनैतिक दलों से कहता हूं कि संसद में आए इस बिल को पारित करें। महिला आरक्षण से जुड़ा संशोधन बिल सर्वसम्मति से पास होगा।

इजराइल का ईरान के पेट्रो केमिकल जोन पर हमला

- एयर डिफेंस, मिसाइल साइट और परमाणु प्लांट निशाना बने; म्यूजिक स्कूल भी तबाह

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। इजराइल ने शनिवार को ईरान के दक्षिणी खुजेस्तान प्रांत में स्थित महशहर पेट्रोकेमिकल स्पेशल इकोनॉमिक जोन पर हमला किया है। फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, इस इलाके में कई विस्फोट हुए, जिसके बाद घटनास्थल से धुआं उठता हुआ देखा गया। इजराइल के सुरक्षा सूत्रों ने भी पुष्टि की है कि ये हमले उसकी वायुसेना ने किए हैं।

इस हमले में तीन कंपनियों को निशाना बनाया गया। रिपोर्ट के अनुसार, हमलों में पांच लोग घायल हुए हैं। वहीं, ईरान के दक्षिण-पश्चिम में स्थित बुशहर परमाणु प्लांट के पास एक प्रोजेक्टाइल गिरने की खबर सामने आई है, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है। इजराइली सेना ने दावा किया है कि उसने शुक्रवार को ईरान के एयर डिफेंस साइट्स पर हमला किया।

23 साल बाद दुश्मन ने गिराया अमेरिकी फाइटर जेट

- ट्रम्प का ईरानी आसमान पर कब्जे का दावा साबित हुआ गलत
- अब तक अमेरिका के 7 विमान तबाह, फिर भी हांक रहा डींगे

वॉशिंगटन/तेहरान (एजेंसी)। ईरान जंग के एक महीने बाद ट्रम्प ने 2 अप्रैल को अमेरिकी जनता को संबोधित किया। 19 मिनट के भाषण में उन्होंने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान की हवाई सेना को तबाह कर दिया है और उनके पास जवाब देने की क्षमता नहीं बची है।

ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका का ईरान के आसमान पर कब्जा हो चुका है। उनके विमान तेहरान के ऊपर उड़ रहे हैं और ईरान कुछ नहीं कर पा रहा है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी ऐसे ही दावे किए लेकिन हालात अब अलग कहानी बता रहे हैं। पिछले 24 घंटों में

अमेरिका के दो सैन्य विमान और सर्च ऑपरेशन में लगे दो ब्लैकहॉक हेलीकॉप्टर ईरान के हमले का शिकार हुए। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, 23 साल में पहली बार अमेरिकी लड़ाकू विमान दुश्मन की गोलीबारी में गिराए गए। इससे पहले 2003 में इराक युद्ध के दौरान ऐसा हुआ था। 28 फरवरी को शुरू हुए ईरान जंग में अब तक 7 अमेरिकी विमान नष्ट हो चुके हैं।

24 घंटे में 2 अमेरिकी जेट्स गिराए, 2 रेस्क्यू हेलीकॉप्टर पर अटैक

ईरानी मीडिया के मुताबिक सबसे पहले अमेरिकी एफ-15 ई फाइटर जेट को मार गिराया गया। यह ईरान के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में उड़ान भर रहा था। एफ-15ई फाइटर जेट के क्रू को ढूंढने के लिए अमेरिकी विमान ए-10 अटैक एयरक्राफ्ट पहुंचा तो उस पर भी हमला हुआ। ए-10 हमले के बाद कुवैत के हवाई क्षेत्र तक पहुंच गया, जहां पायलट ने सुरक्षित तरीके से इजेक्ट किया। पायलट सुरक्षित है, हालांकि विमान कुवैत में क्रैश हो गया। एजेंसी के अनुसार, एफ-15ई में दो क्रू मेंबर थे। इनमें से एक को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि दूसरा लापता है। ईरानी सरकारी मीडिया का कहना है कि पैराशूट के जरिए बाहर निकला यह क्रू सदस्य देश के दक्षिणी हिस्से में उतरने का अनुमान है। वहीं, एफ-15ई फाइटर जेट के रेस्क्यू के लिए 2 ब्लैकहॉक हेलीकॉप्टर भेजे गए थे। उन पर भी हमला हुआ। हालांकि, इन पर मौजूद सभी अमेरिकी सैनिक सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

ईरान की रणनीति नहीं समझ पा रहा अमेरिका

एक्सपर्ट्स का कहना है कि अमेरिका को ईरान के आसमान में बढ़त जरूर है, लेकिन पूरी तरह कंट्रोल नहीं है। ईरान का एयर डिफेंस सिस्टम कमजोर जरूर हुआ है, लेकिन पूरी तरह खत्म नहीं हुआ। अब सवाल यह है कि कमजोर एयर डिफेंस होने के बावजूद ईरान ने इतने एडवांस अमेरिकी विमानों को कैसे निशाना बनाया। इसका जवाब है ईरान की 'असिमेट्रिक वॉरफेयर' यानी अलग तरीके से युद्ध लड़ने की रणनीति। ईरान जानता है कि सीधे युद्ध में अमेरिका से मुकाबला करना मुश्किल है, इसलिए कम संसाधनों में ज्यादा नुकसान पहुंचाने की रणनीति अपना रहा है। वह अक्सर अमेरिका पर चौंकाने वाले हमले कर रहा है। यही वजह है कि अमेरिका अभी भी फेल है।

ईरान युद्ध के बीच भारत का मददगार बना आर्मेनिया

अब एस जयशंकर ने विदेश मंत्री का जताया आभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत की मदद के लिए एक छोटा सा देश सामने आया है। जी हां आर्मेनिया की सेना ने भारतीय मछुआरों को आज ईरान से आर्मेनिया होते हुए भारत लाने में सहायता की है। अब विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान का धन्यवाद किया है। बता दें के तमिलनाडु के सैकड़ों मछुआरे ईरान में फंसे हैं, जिन्हें भारत सरकार जल्द से जल्द निकालने की कोशिश में लगी है। भारत सरकार ने मछुआरे के परिवारों को भरोसा देते हुए कहा कि जल्द से जल्द सभी मछुआरों का रेस्क्यू किया जाएगा। इस बीच कई देश भारत की मदद के लिए आगे आ रहे हैं जो कि राहत की बात है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने एक्स हैंडल

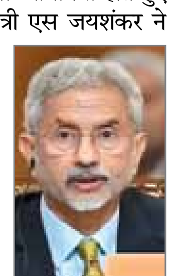

पर जानकारी देते हुए लिखा कि भारतीय मछुआरों को आज ईरान से आर्मेनिया होते हुए भारत लाने में सहायता करने के लिए विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान और आर्मेनिया सरकार को धन्यवाद किया है।

तमिलनाडु के 600 से अधिक मछुआरे ईरान में फंसे- बता दें कि तमिलनाडु के 600 से अधिक मछुआरे ईरान में फंसे हुए हैं। इनमें अधिकतर तमिलनाडु के कन्याकुमारी से हैं, जबकि कुछ थूथुकडी, तिरुनेलवेली और रामनाथपुरम जैसे जिले से हैं। भारत के विदेश मंत्रालय के मुताबिक 1,043 भारतीय वापस लाए गए हैं।

ईरान युद्ध, एलपीजी संकट, अलग-थलग पड़े राहुल

- थरूर से लेकर कमलनाथ तक मोदी सरकार के साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के भीतर एक बार फिर मतभेद गहराते नजर आ रहे हैं। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध, भारत की विदेश नीति और देश में एलपीजी की आपूर्ति जैसे संवेदनशील मुद्दों पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और वरिष्ठ नेताओं के बीच राय बंटी हुई है। जहां एक ओर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी केंद्र की मोदी सरकार की कूटनीति पर हमलावर हैं, वहीं कमलनाथ, आनंद शर्मा, शशि थरूर और मनीष तिवारी जैसे कद्दावर नेताओं ने सरकार के कदमों की सराहना कर सबको चौंका दिया है।

ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच जारी तनाव को लेकर राहुल गांधी ने मोदी सरकार के रुख की तीखी आलोचना की है। उन्होंने भारत की वर्तमान विदेश नीति को कमजोर और समझौतों वाली करार दिया। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या की निंदा करने की भी मांग की थी। हालांकि, उनकी ही पार्टी के वरिष्ठ सहयोगी ने इसे जिम्मेदार कूटनीति बताया।

देश में कहीं नहीं है एलपीजी संकटः कमलनाथ

एक तरफ कांग्रेस आलाकमान देश में एलपीजी की कथित किल्लत को लेकर सरकार को घेरने की रणनीति बना रहा है, वहीं मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अपनी ही पार्टी के दावों की हवा निकाल दी है। कमलनाथ ने स्पष्ट रूप से कहा कि राज्य या देश में गैस की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा, एलपीजी की कोई किल्लत नहीं है, यह केवल एक माहौल बनाया जा रहा है कि आपूर्ति कम है। कमलनाथ के इस बयान ने भाजपा को कांग्रेस पर हमला करने का सीधा मौका दे दिया। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जब कांग्रेस के अपने ही नेता स्वीकार कर रहे हैं कि ईंधन की कोई कमी नहीं है, तो कांग्रेस को अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए जनता के बीच डर फैलाना बंद कर देना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर से शुरू हुई मतभेद की कहानी

यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस के भीतर राष्ट्रहित बनाम पार्टी लाइन की बहस छिड़ी हो। इसकी जड़ें मई 2025 में हुए ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी हैं। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में जब भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया था, तब भी राहुल गांधी ने सरकार की राजनीतिक इच्छाशक्ति पर सवाल उठाए थे। उस समय भी शशि थरूर और मनीष तिवारी ने राहुल के रुख से किनारा करते हुए भारतीय सेना के शौर्य और सरकार के फैसले का समर्थन किया था।

दिलचस्प बात यह है कि सरकार ने जब ऑपरेशन सिंदूर पर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश भेजा, तो कांग्रेस के आधिकारिक सुझावों को दरकिनार करते हुए शशि थरूर और मनीष तिवारी को इसमें शामिल किया। इससे नाराज होकर कांग्रेस ने संसद में चर्चा के दौरान इन दोनों ही नेताओं को बोलने का मौका तक नहीं दिया था।

बेटी की 'विदाई', बेटे की 'पढ़ाई' सब रह गया अधूरा

- मोतिहारी में जहरीली शराब जिंदगियों के साथ सपने भी लील गई

पटना (एजेंसी)। जहरीली शराब परीक्षण मांझी की जिंदगी के साथ उनका बेटी को डोली में बिठाकर ससुराल भेजने का सपना भी लील गई। प्रमोद यादव लोगों को दूध बेचते थे जो लोगों को सेहतमंद बनाए रखने के लिए जरूरी है, लेकिन शराब की लत के चलते उन्होंने जहरीला जाम पी लिया। मौत के साथ बेटे को ग्रेजुएट होते हुए देखने का सपना भी अधूरा रह गया। संपत साह को नशा करने के बाद आंखों से दिखना बंद हो गया। उनका परिवार कुछ समझ पाता, इससे पहले ही उनकी दुनिया में अंधकार छा चुका था। बिहार के मोतिहारी जिले में जहरीली शराब ने सात लोगों की मौत की कहानी लिख दी है। इसके साथ सात परिवारों की बर्बादी की कहानियां भी लिख दी गई हैं। यह ऐसी त्रासदी है जिसके पीड़ित परिवार जहरीली शराब से मिले जख्मों को ताजिंदगी नहीं भूल पाएंगे।

- **आंखें खो चुके 6 लोग शायद ही फिर कभी दुनिया देख सकें-** मोतिहारी में जहरीली शराब ने ऐसा कहर बरसाया कि तीन दिन में सात लोगों की जान चली गई। इसके अलावा 14 लोगों की हालत गंभीर है। इनमें से छह लोग अपनी आंखों की रोशनी खो चुके हैं। वे अब शायद ही कभी दुनिया को फिर से निहार सकेंगे। गुरुवार को हुई इस घटना में पहले दिन दो लोगों की और दूसरे दिन तीन लोगों की मौत हो गई। तीसरे दिन शनिवार को दो और लोग चल बसे। जहरीली शराब ने चंदू कुमार, प्रमोद यादव, परीक्षण मांझी, हीरालाल भगत, लालकिशोर राय, संपत साह और लड्डू साह की जान ले ली। जहरीली शराब पीने के कारण मरे यह सभी लोग मोतिहारी से करीब 50 किलोमीटर दूर स्थित गांव बालगंगा और परसोना में रहते थे।

परीक्षण का नादान बेटा कैसे करेगा बहन की शादी

परीक्षण मांझी अपने परिवार में कमाने वाले एक मात्र सदस्य थे। मांझी खेतीबाड़ी और मजदूरी करके परिवार का गुजारा चलाते थे। करीब एक माह बाद उनकी बेटी की शादी होने वाली थी। उनका परिवार इसके लिए तैयारियां कर रहा था। शादी का सारा कार्यक्रम तय हो चुका था और इसमें खर्च के लिए पैसा जुटाया जा रहा था। जहरीली शराब से उनकी मौत ने परिवार को गहन शोक में डुबे दिया है। उनके बेटे राकेश अब दुखी और उदास हैं। उन्होंने कहा, अब समझ में नहीं आ रहा है कि बहन की शादी कैसे होगी। परीक्षण मांझी गुरुवार को रात में मोतिहारी से गांव लौटे थे। घर पहुंचने पर उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया। परिवार के लोगों को लगा कि तेज धूप में काम करने के कारण हुई थकान के कारण उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें नहीं पता था कि मांझी ने जहरीली शराब पी ली है। देर रात में जब उनकी तबीयत अधिक बिगड़ी तो उनको अस्पताल ले जाया गया।

यूपी में शिक्षामित्रों को इसी महीने से मिलेंगे 18 हजार

वाराणसी (एजेंसी)। सीएम योगी ने वाराणसी में शनिवार को 1.42 लाख शिक्षामित्रों और 24 हजार अनुदेशकों का मानदेय बढ़ाने का ऐलान किया। कहा- इसी महीने से शिक्षामित्रों को 18 हजार और अनुदेशकों को 17 हजार रुपए मानदेय मिलेगा। अभी तक शिक्षामित्रों को 10 हजार और अनुदेशकों को 9 हजार रुपए ही मिल रहे थे। सीएम ने 26 फरवरी को बजट सत्र के दौरान विधानसभा में शिक्षामित्रों और अनुदेशकों की सैलरी बढ़ाने की बात कही थी। शिक्षा मित्रों का 25 जुलाई 2017 को हुआ था समायोजन रद्द यूपी में 2001 से शिक्षामित्रों की नियुक्ति

शुरू हुई थी। सपा की सरकार ने 2013-14 में शिक्षामित्रों को सहायक अध्यापक के पद पर समायोजित किया था। जिनका समायोजन नहीं हुआ उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट में इसके खिलाफ याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने 12 सितंबर, 2015 को इन शिक्षामित्रों का समायोजन रद्द करने का आदेश दिया। सपा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की। 25 जुलाई, 2017 को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए शिक्षामित्रों का समायोजन रद्द कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से एक साथ 1.72 लाख सहायक अध्यापक शिक्षामित्र बने।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में दो ट्रकों की टक्कर, एक की मौत, तीन घायल हाजीपुर सदर अस्पताल रेफर, जांच जारी

हाजीपुर। वैशाली जिले के हाजीपुर-जंदाहा मुख्य मार्ग पर सलहा चौक के पास शनिवार दोपहर दो ट्रकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना जंदाहा प्रखंड के चखुरदी गांव में दोपहर करीब 1:30 बजे हुई। जंदाहा से हाजीपुर जाने वाले मुख्य मार्ग पर हुई इस टक्कर की चपेट में एक मोटरसाइकिल भी आ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक ट्रक सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गया। दूसरा ट्रक उसके पिछले हिस्से में जा घुसा। हादसे में गौसपुर इजरा निवासी विश्वकर्मा कुमार (उम्र करीब 22 वर्ष), पिता सिंधेश्वर राय की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को तुरंत जंदाहा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें हाजीपुर सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। जंदाहा थाना प्रभारी मनोज कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी है।

रेड करने गई पुलिस की वज्र गाड़ी खराब, शराब माफिया के खिलाफ होनी थी छापेमारी

हाजीपुर। वैशाली में शराब माफिया के खिलाफ छापेमारी के दौरान पुलिस की वज्र वाहन खराब हो गई। महनार थाना क्षेत्र के दियारा इलाके में यह घटना हुई, जहां पुलिस को वाहन को धक्का लगाकर स्टार्ट करना पड़ा। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह कार्रवाई वैशाली पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग के निर्देश पर की जा रही थी। पुलिस टीम शराब कारोबारियों को पकड़ने और अवैध शराब के अड्डों को ध्वस्त करने के लिए दियारा क्षेत्र में पहुंची थी। दियारा इलाका बड़े पैमाने पर देसी शराब के अवैध उत्पादन के लिए जाना जाता है। यहां शराब कारोबारी बड़े-बड़े भट्ठे लगाकर शराब बनाते हैं। पुलिस का उद्देश्य इन अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाना था। वैशाली में शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में महनार थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दियारा क्षेत्र में शराब माफिया बड़े पैमाने पर अवैध देसी शराब का निर्माण कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और सभी अवैध शराब भट्ठियों को ध्वस्त कर दिया। मौके पर मौजूद करीब 1500 लीटर देसी शराब को नष्ट किया गया। इसके साथ ही शराब निर्माण में इस्तेमाल किए जा रहे उपकरणों को भी पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। हालांकि, पुलिस की गाड़ी को दूर से आता देख शराब माफिया मौके से फरार होने में सफल रहे। इस घटना के बाद वैशाली पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं, खासकर खराब वाहन के इस्तेमाल को लेकर। इस संबंध में पुलिस ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। वज्र वाहन का उपयोग मुख्य रूप से दंगा नियंत्रण के लिए किया जाता है। इसमें आंसू गैस के गोले दागने की क्षमता होती है और इसका इस्तेमाल दंगाइयों को तितर-बितर करने के लिए किया जाता है।

सूखा नशा करने से रोका तो युवकों ने पीटा, पुलिस पर पीड़ित से रिश्वत लेने का आरोप, परिजन गाड़ी के सामने लेटे

हाजीपुर। वैशाली के महनार थाना क्षेत्र में नशा सेवन रोकने पर एक व्यक्ति की पिटाई कर दी गई। आरोप है कि सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने पीड़ित को ही पीटा, उससे एक हजार रुपये की रिश्वत ली और धमकी देकर छोड़ दिया। पुलिस के इस रवैये से नाराज परिजनों ने देर रात पुलिस का घेराव कर हंगामा किया। यह घटना देशराजपुर बजरंगबली चौक के पास बीते देर रात करीब 10 बजे हुई। 45 वर्षीय धर्मेंद्र राम (निवासी देशराजपुर बजरंगबली चौक, गणेश राम के पुत्र) ने कुछ लड़कों को सूखा नशा करने से रोका था। इसी बात पर लड़कों ने धर्मेंद्र राम की पिटाई कर दी। मारपीट के बाद धर्मेंद्र राम ने तत्काल डायल 112 पर महनार थाने की पुलिस को सूचना दी। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी लड़के भाग चुके थे। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के बजाय धर्मेंद्र राम को ही अपनी गाड़ी में बैठा लिया। पीड़ित के अनुसार, पुलिस उसे अस्पताल ले जाकर इलाज कराने के बजाय करीब 5 किलोमीटर तक घुमाती रही। महनार स्टेशन के पास ले जाकर पुलिसकर्मियों ने धर्मेंद्र राम की पिटाई की और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए गाली-गलौज भी की। धर्मेंद्र राम ने बताया कि पुलिसकर्मियों ने उसे होश में रहने की चेतावनी दी और धमकी दी कि अगर उसने आगे से नशा करने वालों की सूचना दी तो उसका जीवन बर्बाद कर देंगे। इसके बाद पुलिस ने उससे एक हजार रुपये की मांग की। धर्मेंद्र के पास नकद रुपये न होने पर, पुलिस ने स्टेशन स्थित दुकानदारों से यूपीआई ट्रांजेक्शन करवाकर नकद रुपये मंगवाए और रिश्वत लेकर उसे छोड़ दिया। जब पुलिस धर्मेंद्र राम को घर छोड़ने आई, तो परिजनों ने पुलिस का घेराव कर हंगामा शुरू कर दिया। परिवार के लोग पुलिस की गाड़ी के सामने लेट गए। थाना अध्यक्ष के घंटों मशक्कत के बाद मामला शांत हो सका।

सीएसपी लूटकर भाग रहे तीन अपराधियों को पकड़ा, 2 घंटे पहले 29,300 रुपए कैश लेकर भागे थे

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के सरैया थाना क्षेत्र में शनिवार को एक सीएसपी (CSP) से दिनदहाड़े लूट के तीन आरोपियों को 2 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया गया। बदमाशों ने बहिलबारा मलंग चौक स्थित ग्रामीण बैंक के सीएसपी केंद्र को निशाना बनाया था। पकड़े गए अपराधियों ने दोपहर 12.25 के आसपास लूट की वारदात को अंजाम दिया था। मामले की सूचना के बाद पुलिस ने करीब 2 बजकर 25 मिनट पर तीनों अपराधियों को सरैया थाना क्षेत्र से ही गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, तीन नकाबपोश बदमाश एक बुलेट बाइक पर सवार होकर सीएसपी केंद्र पहुंचे थे। उन्होंने हथियार के बल पर कर्मियों को बंधक बनाकर 29,300 नकद लूट लिए। लूट के बाद अपराधियों ने दहशत फैलाने के लिए हवाई फायरिंग भी की और बुलेट से भाग निकले। लूट की सूचना मिलते ही मुजफ्फरपुर के एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने तत्काल घेराबंदी के निर्देश दिए। उनके निर्देश पर सरैया कोतवाल और प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी प्रसन्ना वी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने वायरलेस पर सूचना मिलते ही अपराधियों का पीछा करना शुरू कर दिया। पुलिस से घिरता देख बुलेट सवार तीनों अपराधी अलग-अलग सड़क से कभी तुर्की थाना क्षेत्र तो कभी सरैया थाना क्षेत्र की ओर भागे। करीब 12 किलोमीमटर दूर पुलिस की टीम ने तीनों को दबोच लिया। पकड़े गए बदमाशों के पास से लूटी गई 29,300 की रकम, वारदात में इस्तेमाल की गई बुलेट बाइक और हथियार बरामद किए गए हैं। लुटेरों ने सीएसपी संचालक धीरेंद्र कुमार को हथियार के बल पर धमकाया और नकदी व मोबाइल लेकर तुर्की की ओर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही जब दुकानदार सक्रिय हुए, तो बुलेट पर पीछे बैठे एक अपराधी ने हवा में एक गोली चलाई। अपराधी सरैया की ओर से आए थे। सीएसपी संचालक धीरेंद्र कुमार ने घटना का विवरण देते हुए बताया कि मैं काउंटर पर बैठा था तभी बुलेट से तीन लोग उतरे। तीनों ने मेरी कनपटी पर बंदूक तान दी और धमकी देते हुए सारा पैसा और मेरा मोबाइल फोन छीन लिया। तीनों के चेहरे ढके हुए थे।

मनेर में मंत्री रामकृपाल के समधी के घर पर फायरिंग

जमीनी विवाद में दो पक्ष भिड़े, 15 राउंड चलाई गोली, तीन घायल

एजेंसी, पटना

पटना के मनेर थाना क्षेत्र के ब्यापुर में शुक्रवार देर शाम दो पक्षों के बीच हुई गोलीबारी से इलाके में दहशत फैल गई। घटना बिहार सरकार के कृषि मंत्री रामकृपाल यादव के समधी के घर पर हुई, जहां करीब 15 राउंड फायरिंग की बात सामने आई है। घटना रात 9 बजे के करीब की बताई जा रही है। इस घटना में समधी राजेंद्र सिंह के बेटे पप्पू, स्वर्गीय भूपेंद्र सिंह के बेटे मनीष उर्फ गुड्डू और नितीश उर्फ बबलू घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल मनीष और नितीश को इलाज के लिए एम्स पटना में भर्ती कराया गया है, जबकि पप्पू को दानापुर के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के बाद उन्हें छुट्टी मिल गई है।

जमीन विवाद ने लिया हिंसक रूपः जानकारी के अनुसार, रात करीब 9 बजे दो गोतिया पक्षों के बीच चल रहे जमीनी विवाद ने अचानक उग्र रूप ले लिया। देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और फायरिंग शुरू हो गई। साथ ही तलवार, लाठी और पत्थरबाजी भी की गई।

करीब 15 राउंड चली गोलियांः परिजनों ने मुकेश, स्वर्गीय सतेंद्र के बेटे दीपक और प्रिंस सहित अन्य लोगों पर फायरिंग करने, तलवार, लाठी और रोड़ेबाजी से हमला करने का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने करीब 15 राउंड गोलियां चलाईं थी। मनेर थानाध्यक्ष रजनीश ने बताया कि शुक्रवार देर शाम आपसी विवाद में गोलीबारी और मारपीट की घटना संज्ञान में आई है, जिसमें तीन लोग घायल हुए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस के पहुंचने से पहले सभी आरोपी मौके से फरार हो गए थे।

छापेमारी जारी, जांच में जुटी पुलिसः मनेर थानाध्यक्ष रजनीश ने बताया कि, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक सभी आरोपी फरार हो चुके थे।' पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पूरे मामले की जांच जारी है।

पटना में 3 वर्षीय बच्ची से सामूहिक दुष्कर्म दो गिरफ्तार, तीसरा आरोपी फरार

एजेंसी, पटना

पटना के परसा बाजार थाना क्षेत्र में 22 वर्षीय चाचा पर अपनी तीन वर्षीय भतीजी के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। इस घटना में उसके दो दोस्त भी शामिल बताए जा रहे हैं। पुलिस ने फौरन कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, तीसरा आरोपी फरार बताया जा रहा है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

मासूम के साथ गैंगरेप करने का आरोपः बच्ची के मां के मुताबिक, यह घटना शुक्रवार देर रात की है। बच्ची का चाचा नशे का आदी है। उन्होंने आरोप लगाया कि बच्ची अपने घर में सो रही थी, तभी उसके चाचा ने उसे उठाया और घर से लगभग 500 मीटर दूर एक खेत में ले गया। वहां उसने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर बच्ची के साथ दुष्कर्म किया।

चीखने चिल्लाने पर भागे तीनों आरोपीः बच्ची के चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर लोगों को लगा कि कोई बच्चा चोर घुस आया है। जब उन्होंने शोर मचाना शुरू किया तो तीनों युवक बच्ची को मौके पर छोड़कर फरार हो गए। इस बीच बच्ची के परिवार के लोग भी बच्ची को खोजते हुए मौके पर पहुंच गए। खून से लथपत हालत में देख उन्होंने इसकी सूचना परसा बाजार थाने को दी।

♦ चाचा घर से उठाकर ले गया था खेत

पटना के एक अस्पताल में बच्ची को कराया भर्तीः सूचना पाकर परसा बाजार थाने की पुलिस ने आनन-फानन में मौके पर पहुंची। परिजनों और पुलिस टीम ने बच्ची को इलाज के लिए पटना के एक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

गंगा में हाजीपुर के युवक की लाश मिली, गांधी सेतु से नदी में कूदा था

एजेंसी, पटना

गांधी सेतु पुल से गंगा नदी में कूदने वाले एक युवक का शव 24 घंटे बाद बरामद कर लिया गया है। SDRF की टीम ने हाजीपुर निवासी गुड्डू कुमार की लाश को पिलर नंबर-44 के पास से बरामद किया। गुड्डू कुमार शुक्रवार को हाजीपुर से पटना एक लाइब्रेरी में पढ़ने आया था। वह अपनी गाड़ी लाइब्रेरी में छोड़कर ऑटो से गांधी सेतु पहुंचा। परिजन से मोबाइल पर बात करते हुए उसने पुल से गंगा नदी में छलांग लगा दी थी। घटना की सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे।

उन्होंने पटना सिटी के आलमगंज थाना और एसडीआरएफ टीम को जानकारी दी। सूचना के बाद आलमगंज थाने की पुलिस और एसडीआरएफ टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। 24 घंटे के अभियान के बाद एसडीआरएफ टीम ने गुड्डू कुमार के शव को गंगा नदी से बाहर निकालकर पुलिस को सौंप दिया। गुड्डू कुमार के भाई रंजन कुमार ने बताया कि शुक्रवार को वह घर से नाश्ता करके लाइब्रेरी के लिए निकला था। उन्होंने बताया कि गुड्डू ने परिजन को फोन पर आत्महत्या की धमकी दी थी और फिर चप्पल उतारकर पुल से कूद गया। पुलिस अब इस बात का पता लगाने में जुटी है कि गुड्डू कुमार ने आत्महत्या क्यों की। इसके पीछे पारिवारिक विवाद है या फिर और कोई कारण है।

❑ 24 घंटे की छानबीन के बाद एसडीआरएफ ने निकाला शव

पटना में निशांत के 'फ्यूचर सीएम' पोस्टर से सियासी हलचल, नीतीश जगह पर सीएम बनने की मांग

एजेंसी, पटना

बिहार की राजनीति में मुख्यमंत्री के तौर पर "नए चेहरे" को लेकर चर्चा तेज हो गई है। राजधानी पटना के जदयू कार्यालय के पास जदयू कार्यकर्ताओं ने बड़े-बड़े पोस्टर लगाए हैं। जिसमें नीतीश कुमार के साथ उनके बेटे निशांत कुमार को प्रमुखता से दिखाते हुए उन्हें "Future CM of Bihar" के तौर पर प्रोजेक्ट किया गया है। इस पोस्ट के जरिए जदयू कार्यकर्ता न सिर्फ नेतृत्व परिवर्तन की मांग कर रहे हैं बल्कि "विकसित बिहार-2040" का विजन भी सामने रखा गया है।

पोस्टर में क्या है खास?ः पोस्टर में एक तरफ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तस्वीर है, वहीं दूसरी ओर निशांत कुमार को बड़े चेहरे के रूप में दिखाया गया है। इसके साथ लिखा गया है— अब नए चेहरे पर, क्यूं करें विचार..." और "जब 'क्लाइमेट लोड' के संकल्पों को पूरा करने के लिए तैयार हैं भाई निशांत कुमार..." पोस्टर में यह भी दिखाया गया है कि "नीतीश सेवक" अब "मांग निशांत" की ओर बढ़ रहे हैं। यानी कार्यकर्ताओं के बीच नेतृत्व परिवर्तन को लेकर एक संदेश देने की कोशिश की गई है।

जदयू के छात्र विंग ने लगाई पोस्टरः इस पोस्टर को छात्र जदयू, बिहार के प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्णा पटेल ने लगाया है। इससे यह संकेत मिलता है कि यह पहल पार्टी के अंदरूनी युवा या छात्र विंग से जुड़ी हो सकती है, जो नए नेतृत्व को आगे लाने की पैरवी कर रही है। इसके साथ ही जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा की तस्वीर भी लगाई गई है।

निशांत की लेकर जदयू लगातार एक्टिवः नीतीश कुमार के बेटे निशांत की राजनीतिक एंट्री के साथ ही पार्टी की कमान उन्हें सौंपने और बिहार की सत्ता के शीर्ष पर बिठाने की मांग लगातार तेज हो गई है। तमाम बड़े नेता यह कह रहे हैं कि निशांत की अगुवाई में ही पूरी पार्टी आगे बढ़ेगी। पटना की सड़कों में पोस्टर लगाकर माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है कि नीतीश कुमार के बाद अगला मुख्यमंत्री निशांत कुमार को बनाया जाए। हालांकि, सत्ता परिवर्तन को लेकर यह साफ हो चुका है कि नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद बीजेपी का कोई चेहरा मुख्यमंत्री बनेगा और निशांत कुमार को डिप्टी सीएम की कुर्सी दी जाएगी।

❑ लिखा-नए चेहरे पर क्यूं विचार..तैयार हैं निशांत कुमार

पटना हाई कोर्ट के वकील समेत 3 अरेस्ट

एजेंसी, पटना

राजधानी पटना के शास्त्री नगर थाना क्षेत्र में एक कथित हाईकोर्ट वकील और उसके दो सहयोगियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि तीनों ने दफ्तर में बुलाकर युवक को बंधक बनाया, मारपीट की और न्यूड वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने की कोशिश की। गिरफ्तार आरोपियों में कथित तौर पर चैतन्य कृष्ण, आलोक और मनीष शामिल हैं। चैतन्य कृष्ण, पटना के शास्त्री नगर इलाके में 'ऑर्थो लीगल सर्विसेज' नाम से दफ्तर चलाता था और मूल रूप से मुजफ्फरपुर का रहने वाला बताया जा रहा है।

आधार सुधार के नाम पर लिए 5 हजारः रोहतास के रहने वाले पीड़ित अजीत कुमार नाम के शख्स ने 3 अप्रैल को शास्त्री नगर थाने पर एक शिकायत दर्ज कराई। बताया गया कि उसने चैतन्य कृष्ण नाम के एक वकील से आधार कार्ड में सुधार के लिए बातचीत की थी। उसने भारत राजपत्र बनाने के नाम पर 5000 लिए थे, लेकिन बना नहीं रहा था। 2 अप्रैल की रात में अजीत ने चैतन्य कृष्ण को फोन करके बातचीत करने की कोशिश की। फोन करते ही चैतन्य कृष्ण ने गाली गलौज करना शुरू कर दिया।

वीडियो बनाने पर बंधक बनाकर पीटाः इसके बाद 3 अप्रैल को अजीत अपने दोस्त पंकज के साथ वकील चैतन्य कृष्ण से मिलने उसके दफ्तर गए। दफ्तर में पहले से मौजूद चैतन्य कृष्ण, आलोक और मनीष ने उनसे अभद्रता शुरू कर दी। इस पर पीड़ित अजीत ने पंकज को मोबाइल फोन से वीडियो बनाने के लिए कहा। जैसे ही पंकज ने वीडियो बनाना शुरू किया, चैतन्य कृष्ण आलोक और मनीष ने मोबाइल फोन छीन लिए। फिर तलवार भिड़ाकर बंधक बना लिया। 2 घंटे तक बंधक बनाकर मारपीट करते रहे और चप्पल जूते से मारते रहे।

न्यूड वीडियो बनाकर ब्लैकमेल का आरोपः पीड़ित का आरोप है कि इस दौरान चैतन्य कृष्ण और उसके साहगिर्द ने दोनों के कपड़े उतरवा दिए और सेक्सुअल हैरेसमेंट का प्रयास किया। खुद चैतन्य भी नशे का सेवन कर रहा था। इस दौरान पंकज और अजीत को भी नशे का सेवन करने के लिए फोर्स कर रहा था। पीड़ित ने मोबाइल फोन लौटाने के लिए रिक्वेस्ट किया तो उसने 10000 की डिमांड कर दी। किसी तरह 7000 देकर मोबाइल फोन वापस लौटाया गया। आरोप है कि इस दौरान उनके कपड़े उतरवाकर न्यूड फोटो और वीडियो बनाए गए। साथ ही पुलिस में शिकायत करने पर इन्हें वायरल करने की धमकी दी गई।

♦ दफ्तर में बंधक बनाने, न्यूड वीडियो बनाकर ब्लैकमेल का आरोप, छापेमारी में मिले करीब 100 फर्जी मोहर

दरभंगा के घनश्याम को भी दिया झांसाः शनिवार के दिन अर्थव लीगल सर्विसेज के बाहर आधार में गलत नाम सुधार कराने के लिए दूर दराज से लोग आए थे। उनमें से इंतजार कर रहे दरभंगा के घनश्याम ने बताया कि, 'नाम सुधरवाने के लिए आए थे। यहां पर आने के बाद पता चला कि पारिवारिक कलह में वकील चैतन्य कृष्ण थाने गए हैं। आज केंद्र नहीं खुलेगा। घनश्याम से नाम सुधरवाने के नाम पर 3000 की डिमांड की गई थी। इन्हें बताया गया था कि वकील चैतन्य कृष्ण का दिल्ली से संपर्क है। सीधे नाम में सुधार करा देते हैं।

बिहार में मौसम का डबल अटैक, पारा 40° पार

एजेंसी, पटना

बिहार में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार राज्य में अगले 5 दिनों तक भीषण गर्मी और खराब मौसम का दोहरा असर देखने को मिलेगा। एक ओर जहां तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचकर लू जैसे हालात बना रहा है। वहीं, दूसरी ओर 6 अप्रैल को कई जिलों में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की गई है। ऐसे में लोगों को गर्मी और मौसम की मार, दोनों से सतर्क रहने की जरूरत है।

गर्मी का कहरः रोहतास सबसे गर्मः पिछले 24 घंटों के दौरान पूरे बिहार में तापमान में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। दक्षिण-पश्चिमी इलाकों में गर्मी ने सबसे ज्यादा असर दिखाया है। रोहतास के डेहरी में अधिकतम तापमान 40.0°C दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे अधिक रहा। गया में 39.8°C, पटना में 39.4°C और शेखपुरा में 39.9°C तापमान रिकॉर्ड किया गया। लगभग सभी जिलों में तापमान 1 से 2.5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा है। मौसम विभाग के अनुसार, तेज धूप और पश्चिमी हवाओं के कारण अगले कुछ दिनों तक लू जैसे हालात बने रह सकते हैं, खासकर दोपहर के समय बाहर निकलना खतरनाक हो सकता है।

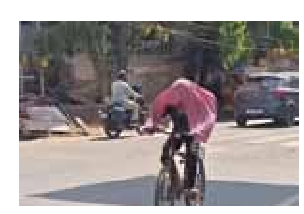

पटना का 5 दिनों का मौसम पूर्वानुमानः राजधानी पटना के लिए मौसम मिला-जुला रहने वाला है— गर्मी के साथ बीच-बीच में राहत भी मिलेगी। जहां आज दिन में गर्मी रहेगी, लेकिन रात में गरज के साथ हल्की बारिश या छींटे पड़ सकते हैं। अधिकतम तापमान 38°C रहेगा।

बुडको बनाएगा मॉर्डन लैब, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांच होगी सख्त

एजेंसी, पटना

बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड (बुडको) के लैब की स्थापना की जाएगी। यह जानकारी प्रबंध निदेशक अनिमेष कुमार पराशर ने दी। उन्होंने कहा कि क्वालिटी ऑफ़ वर्क को बढ़ाने के लिए एक लैब की जरूरत महसूस हो रही थी। नमामि गंगे प्रोजेक्ट्स सहित अन्य निर्माण कार्यों के जांच के लिए ये लैब मददगार साबित होगी। इस लैब की मदद से हमलोग गुणवत्तापूर्ण कार्य को डिलीवर कर सकेंगे। दरअसल आज बुडको द्वारा 'मिशन प्रोजेक्ट कम्पलीशन' प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

यह एक तीन दिवसीय प्रोग्राम है। इस कार्यक्रम के दौरान जलापूर्ति, स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज, सड़क निर्माण, मुख्यमंत्री शहरी समग्र योजना और अमृत योजना पर चर्चा की जाएगी। इन योजनाओं की समीक्षा करने और उन्हें जल्द से जल्द पूरा करने के उद्देश्य से ही इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मिशन प्रोजेक्ट कम्पलीशन के प्रथम चरण में प्रबंध निदेशक अनिमेष कुमार पराशर के निर्देशन में सभी जिलों का निरीक्षण किया गया था। इस निरीक्षण के लिए मुख्यालय स्तर पर पदाधिकारियों और अभियंताओं की टीम ने डिटेल स्थल जांच की और रिपोर्ट मुख्यालय को सौंपी थी। इस कार्यक्रम में प्रदेश के सभी 38 जिलों से परियोजना निदेशक, उप परियोजना निदेशक और अन्य संबंधित पदाधिकारी शामिल हुए। इसमें प्रत्येक जिले के पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में चल रहे निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति, अब तक की प्रगति और सामने आ रही बाधाओं और समाधान को विस्तार से प्रस्तुत करेंगे।

पटना में कांग्रेस का नेशनल टैलेंट हंट प्रोग्राम छूटे प्रतिभागियों का हो रहा इंटरव्यू

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद कांग्रेस अब बिहार में अपने आप को मजबूत करने में लगी है। पटना में शनिवार को रिजनल लेवल पर नेशनल टैलेंट हंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया है। इसका लक्ष्य जमीनी स्तर से ऐसे सक्षम व्यक्तियों की पहचान करना, उन्हें प्रशिक्षित करना और सशक्त बनाना है, जो जिला-राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा सकें। इसमें समाज के सभी वर्गों और सभी क्षेत्रों के लोगों को समान अवसर दिया गया है। आज इंटरव्यू-पैनल डिस्कशन होगा।

करंट अफेयर्स, पार्टी की विचारधारा से जुड़े पूछे जा रहे सवालः प्रोग्राम के कन्वेनर असित नाथ तिवारी ने कहा कि ऐसे लोग जो अपने जोन में आयोजित इंटरव्यू में शामिल नहीं हो पाए थे या किसी कारणवश समय पर आवेदन नहीं दे पाए थे। उनके लिए इंटरव्यू का कार्यक्रम पटना में रखा गया है। इसका उद्देश्य ऐसे लोगों को मौका देना है जो पार्टी के विचारधारा के साथ खड़े होना चाहते हैं। ऐसे लोग किसी राजनीतिक पार्टी से जुड़ना तो चाहते हैं, लेकिन उन्हें कोई लिंक है या रास्ता नहीं मिल पाता है। इसलिए उन जैसे लोगों को किसी सिफारिश के बिना कांग्रेस पार्टी मौका दे रही है। बस वह अपनी योग्यता दिखा कर इसमें शामिल हो सकते हैं। इस दौरान आवेदन करने वाले लोगों से पार्टी की विचारधारा से जुड़े सवाल, करंट अफेयर्स, भारत-बिहार के इतिहास, सामान्य ज्ञान और जिस विषय में पढ़ाई किए हो उससे संबंधित प्रश्न पूछे जा रहे हैं।

तीन पदों पर हो रही टैलेंट हंट में खोजः इस पहल के अंतर्गत कांग्रेस पार्टी तीन प्रमुख क्षेत्रों में प्रतिभाओं की खोज कर रही है। पहला मीडिया प्रवक्ता-पैनलिस्ट जो टीवी, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सार्वजनिक मंचों पर स्पष्टता, विश्वसनीयता और अनुशासन के साथ पार्टी का पक्ष रख सकें। दूसरा रिसर्च को-ऑर्डिनेटर जो तथ्य-आधारित, शोध-आधारित सामग्री, नीतिगत विश्लेषण और मुद्दा-ब्रीफ तैयार कर पार्टी के संदेश को मजबूती दें। तीसरा पब्लिसिटी को-ऑर्डिनेटर जो सोशल मीडिया, व्हाट्सऐप नेटवर्क, स्थानीय मीडिया और जमीनी स्तर पर पार्टी का संदेश व्यापक रूप से पहुंचाए।

❑ करंट अफेयर्स-पार्टी की विचारधारा से जुड़े पूछे जा रहे सवाल

संक्षिप्त समाचार

जहरीले पदार्थ सेवन कांड पर उच्चस्तरीय समीक्षा, अवैध शराब के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी। रघुनाथपुर एवं तुरकौलिया थाना क्षेत्र में जहरीले पदार्थ के सेवन से हुई घटना को गंभीरता से लेते हुए शनिवार को पुलिस उप-महानिरीक्षक, मद्य निषेध एवं पुलिस अधीक्षक, मोतिहारी ने संयुक्त रूप से समीक्षा बैठक की। बैठक में घटना से जुड़े सभी बिंदुओं की गहन समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिया कि अवैध मद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण और बिक्री में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त एवं लगातार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही थाना स्तर पर सतर्कता बढ़ाने, नियमित छापेमारी अभियान चलाने और सूचना तंत्र को अधिक सक्रिय रखने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। बैठक में कहा गया कि जहरीले पदार्थ सेवन से होने वाली घटनाएं केवल कानून-व्यवस्था ही नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के लिए भी गंभीर चुनौती हैं। इसे देखते हुए सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में संवेदनशील स्थानों की पहचान कर लगातार निगरानी रखने का निर्देश दिया गया। प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि वे अवैध शराब एवं संदिग्ध पदार्थों से दूर रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि, निर्माण स्थल या बिक्री की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके। पुलिस अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी और अवैध शराब कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान लगातार चलाया जाएगा।

पांच हजार के इनामी शराब कारोबारी समेत दो वांछित गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। केसरिया थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 5000 के इनामी अभियुक्त समेत दो वांछित आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी थाना क्षेत्र के ग्राम काढ़ान में छापेमारी के दौरान की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों में किरानी राय, पिता जमादार राय, तथा जीतू राय उर्फ जितेंद्र राय, पिता किरानी राय शामिल हैं। दोनों काढ़ान गांव के निवासी बताए गए हैं। इनमें किरानी राय पर 5000 का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार किरानी राय पर मद्य निषेध अधिनियम से जुड़े कई मामले दर्ज हैं। इनमें केसरिया थाना कांड संख्या 141/26, 36/26, 77/26, 104/26 के अलावा वर्ष 2024 और 2025 के भी कई मामले शामिल हैं। वहीं जीतू राय उर्फ जितेंद्र राय भी मद्य निषेध के मामलों में लंबे समय से वांछित चल रहा था। पुलिस ने बताया कि दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा।

सूखा नशा कारोबारी पर बड़ी कार्रवाई, 76.6 किग्रा गांजा बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी। चिरैया थाना क्षेत्र में पुलिस ने सूखा नशा कारोबार के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान उसके घर और वाहन से 76.6 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के ग्राम खोड़ा में बड़े पैमाने पर मादक पदार्थ का कारोबार किया जा रहा है। सूचना के आधार पर की गई त्वरित छापेमारी में चंदन कुमार, पिता साहेब राय, निवासी ग्राम खोड़ा के घर एवं उसकी सफारी गाड़ी की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कुल 76.6 किलोग्राम गांजा जैसे मादक पदार्थ की बरामदगी हुई। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ और सफारी गाड़ी को विधिवत जब्त कर अभियुक्त को मौके से गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में थाना में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में नशीले पदार्थों के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इस धंधे में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और सभी के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई को चिरैया पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है, जिससे क्षेत्र में नशा कारोबारियों के बीच हड़कंप मच गया है।

एनडीपीएस मामले में दो दोषियों को 6 माह की सजा, 4000 अर्थदंड

बीएनएम @ मोतिहारी। रक्सौल थाना कांड संख्या-477/25 में सुनवाई करते हुए एनडीपीएस कोर्ट-1, मोतिहारी की न्यायाधीश रेशमा वर्मा ने दो अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए 6 माह के कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही दोनों पर 4000-4000 का अर्थदंड भी लगाया गया है। दोषी ठहराए गए अभियुक्तों में श्यामबाबू साह, पिता भगवान साह, निवासी कोरीहार भगवानपुर तथा रामचन्द्र महतो उर्फ छोटू, पिता स्व. रघुनाथ महतो, निवासी माँजे माई स्थान, थाना रक्सौल, जिला पूर्वी चंपारण शामिल हैं। न्यायालय ने मोतिहारी पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं चार्जशीट के आधार पर दोनों अभियुक्तों को दोषी पाया। मामले की सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक डॉ. शंभू शरण सिंह ने प्रभावी पैरवी करते हुए अभियोजन पक्ष को मजबूती से रखा।

अरेराज में उत्पाद पुलिस की बड़ी दबिश, शराब तस्करों समेत पांच गिरफ्तार

बीएनएम @ अरेराज। हरसिद्धि थाना क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों में उत्पाद विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब कारोबार पर कड़ा प्रहार किया है। उत्पाद थानाध्यक्ष अरविंद कुमार के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान में टीम ने शराब की खेप बरामद करने के साथ तस्करी में इस्तेमाल हो रही एक अपाचे मोटरसाइकिल भी जब्त की है। छापेमारी के दौरान सबसे पहले गायघाट में घेराबंदी की गई, जहां से दो धंधेबाजों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान उज्जैन लोहियार निवासी प्रदीप कुमार और मनोज सहनी के रूप में हुई है। इनके पास से 8 PM ब्रांड की विदेशी शराब बरामद की गई। मौके से तस्करी में प्रयुक्त उनकी अपाचे बाइक को भी जब्त कर लिया गया। दोनों के विरुद्ध शराबबंदी कानून की गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। अभियान को आगे बढ़ाते हुए उत्पाद टीम ने उज्जैन लोहियार और धवही गांव में भी छापेमारी की। यहां शराब पीकर हंगामा करने और कानून का उल्लंघन करने के आरोप में बनारसी सहनी, मोहन सहनी और सुरेश भगत को गिरफ्तार किया गया। इस सफल अभियान में एसआई शैलेंद्र कुमार और एएसआई अजीत कुमार सिंह के साथ उत्पाद विभाग के कई जवान शामिल रहे। विभाग की इस सक्रिय कार्रवाई से इलाके के अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

"लापरवाही की रफ्तार: बुजुर्ग चालक ने छात्र की ली जान

» प्रसाशन ने की जाँच टीम गठित

सागर सूरज

मोतिहारी | मोतिहारी में एक दर्दनाक स्कूल बस हादसे ने पूरे शहर को झकझोर दिया। बस की चपेट में आने से एक छात्र की मौत हो गई, जिसके बाद परिजनों, स्थानीय लोगों और छात्र-छात्राओं का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। मृतक की पहचान हरसिद्धि थाना क्षेत्र के रुपडीह गांव निवासी विजय प्रसाद के इकलौते पुत्र अभिषेक कुमार के रूप में हुई है। घटना ने स्कूल बस संचालन और प्रबंधन की जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे में शामिल बस का चालक काफी बुजुर्ग था और उसकी आंखों की रोशनी भी कमजोर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वह पहले संत फ्रांसिस एकेडमी से 60 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्त हो चुका था, लेकिन इसके बावजूद उसे दोबारा बस चलाने की जिम्मेदारी सौंप दी गई।

मामले का सबसे गंभीर पहलू यह सामने आया कि चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस तक नहीं था। इसके बावजूद डीएवी स्कूल प्रबंधन ने उसे वाहन चलाने की अनुमति दे रखी थी। स्थानीय लोगों ने इसे सामान्य चूक नहीं, बल्कि घोर लापरवाही करार दिया है। उनका कहना है कि इसी गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण एक मासूम छात्र की जान चली गई।

हादसे के बाद इलाके में तनावपूर्ण माहौल बन गया। आक्रोशित परिजनों और छात्रों ने सड़क जाम कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। मृतक की छोटी बहन शव के पास खड़ी होकर गुजरने वाली गाड़ियों को रोकती रही, जबकि मां का रो-रोकर बुरा हाल था। करीब तीन घंटे तक चले जाम के कारण यातायात पूरी तरह बाधित रहा।

सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन गुस्सा इतना अधिक था कि इस दौरान हल्की झड़प और धक्का-मुक्की भी हुई। घटना का वीडियो सामने आने के बाद लोगों की नाराजगी और बढ़ गई है।

परिजनों ने स्कूल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना रवैये का आरोप लगाया है। वहीं प्रशासन की ओर से मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित की गई है। टीम को हादसे के सभी पहलुओं की जांच कर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है, ताकि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जा सके।

तुरकौलिया एवं शंकर सरैया सहित प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, घर-घर जांच जारी

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला के तुरकौलिया के आसपास एवं शंकर सरैया सहित प्रभावित गांवों में आशा वर्कर्स द्वारा घर-घर जाकर पूछताछ और स्वास्थ्य जांच की जा रही है। इस दौरान प्रभावित व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। गंभीर रूप से प्रभावित लोगों को एम्बुलेंस के माध्यम से सदर अस्पताल भेजा जा रहा है, ताकि उन्हें समय पर उचित इलाज मिल सके। स्वास्थ्य विभाग की ओर से चलाए जा रहे इन सभी कार्यों की सिविल सर्जन एवं डीपीएम के नेतृत्व में लगातार निगरानी की जा रही है। विभाग द्वारा स्थिति पर सतत नजर रखते हुए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो और प्रभावित लोगों को शीघ्र राहत मिल सके।

नए सत्र 2026-27 का शुभारंभ हवन-पूजन के साथ, वैदिक मंत्रों से गुंजायमान हुआ विद्यालय परिसर

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। स्थानीय विद्यालय महावीर सरस्वती शिशु-विद्या मंदिर में नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ विधिवत हवन-पूजन एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण में डूबा नजर आया। कार्यक्रम की शुरुआत आचार्य अनिल पाण्डेय द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन अनुष्ठान से हुई। उनके सस्वर मंत्रों ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। उपस्थित छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने श्रद्धा भाव से हवन में भाग लेकर नए सत्र के सफल संचालन की कामना की। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य रामजी प्रसाद ने कहा कि नए सत्र की शुरुआत सकारात्मक ऊर्जा और संस्कारों के साथ करना छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और नैतिक मूल्यों के साथ शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण सत्येन्द्र कुमार, विजय कुमार, मनोज कुमार, अनिल कुमार, विनय कुमार, अश्विनी कुमार, विकेश कुमार, दिवाकर कुमार, चंदन कुमार, शशिकांत कुमार, रंगनाथ बिहारी, पूनम कुमारी, मधु शर्मा एवं प्रियंका कुमारी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक भी मौजूद रहे, जिन्होंने विद्यालय के इस सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक पहल की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में सभी के सुख-समृद्धि और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

वीर शहीद नीलांबर-पीतांबर के शहादत दिवस पर उमड़ा जनसैलाब, अधिकारों की लड़ाई का लिया संकल्प

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। वीर शहीद नीलांबर-पीतांबर खरवार का 167वां शहादत दिवस पूर्वी चंपारण जिला युवा खरवार महासभा के बैनर तले श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने एकजुट होकर वीर सपूतों के अदम्य साहस, संघर्ष और बलिदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व विधायक राजन तिवारी और प्रदेश अध्यक्ष राजेश खरवार ने शहीदों की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि नीलांबर-पीतांबर का बलिदान केवल इतिहास का गौरवशाली अध्याय नहीं, बल्कि समाज को जागरूक, शिक्षित और संगठित रहने की सतत प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि उनके आदर्शों को अपनाकर ही समाज अपने अधिकारों की रक्षा और विकास की राह पर आगे बढ़ सकता है। इस दौरान वक्ताओं ने खरवार समाज की ज्वलंत समस्याओं, विशेषकर जाति प्रमाण पत्र से जुड़ी जटिलताओं पर गंभीर चिंता जताई। पूर्व विधायक राजन तिवारी ने भरोसा दिलाया कि इस महत्वपूर्ण मुद्दे को जिलाधिकारी के समक्ष मजबूती से उठाया जाएगा और समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक स्तर पर मौजूद बाधाओं को दूर कर सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। कार्यक्रम में प्रदेश संरक्षक उमाशंकर खरवार, जिला अध्यक्ष कृष्ण खरवार, जिला उपाध्यक्ष डॉ. टुनटुन खरवार, राकेश खरवार सहित विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित रहे। सभी ने समाज के अधिकार, सम्मान और विकास के लिए एकजुट होकर निरंतर संघर्ष करने का संकल्प लिया।

एमजीसीयू के तृतीय दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति का 'राष्ट्र प्रथम' मंत्र, 9 मेधावियों को स्वर्ण पदक

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) के तृतीय दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन शहर के राजा बाजार स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन रहे। कार्यक्रम में बिहार के राज्यपाल सैयद अता हुस्नैन, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश तथा केंद्रीय राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे समेत कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत शैक्षणिक शोभायात्रा, मां सरस्वती एवं बापू की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण में कहा कि बिहार की धरती ज्ञान और परंपरा की समृद्ध विरासत वाली रही है तथा एमजीसीयू नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप वैश्विक मानकों पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय की डिजिटल लाइब्रेरी, ऑनलाइन फीस और अंकपत्र जैसी सुविधाओं का भी उल्लेख किया। दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति ने 9 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किया। सम्मानित छात्रों में अदिति प्रग्या, मुस्कान कुमारी, बलिराम कुमार, आदित्य प्रसाद, रचित यशस्वी, सचिन कुमार, श्रुति कुमारी, अनानंक कुमार और चंदन कुमार शामिल रहे। अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि चंपारण महान विचारों और परिवर्तन की भूमि है। उन्होंने युवाओं से नवाचार, निरंतर सीखने और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत अब सपना नहीं, बल्कि साकार होती वास्तविकता है। राज्यपाल सैयद अता हुस्नैन ने विश्वविद्यालय को बिहार की उच्च शिक्षा की मजबूत नींव बताते हुए छात्रों से नैतिक मूल्यों और समाज सेवा की भावना अपनाने की अपील की। वहीं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि चंपारण आंदोलनों और ज्ञान की धरती है तथा मोतिहारी में जल्द हवाई पट्टी निर्माण का आश्वासन दिया। समारोह के अंत में राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह आयोजन शिक्षा, संस्कार और राष्ट्र निर्माण के संदेश के साथ विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी साबित हुआ।

उपराष्ट्रपति समेत गणमान्य अतिथियों ने गांधी संग्रहालय का किया परिभ्रमण

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, बिहार के राज्यपाल सैयद अता हुस्नैन, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश समेत अन्य गणमान्य अतिथियों ने गांधी संग्रहालय, मोतिहारी का परिभ्रमण किया। इस दौरान अतिथियों ने संग्रहालय में महात्मा गांधी से जुड़े ऐतिहासिक दस्तावेज, दुर्लभ तस्वीरें, चंपारण सत्याग्रह से संबंधित अभिलेख और स्मृतिचिह्नों का अवलोकन किया। संग्रहालय प्रशासन की ओर से उन्हें चंपारण आंदोलन के विभिन्न पहलुओं और गांधीजी के मोतिहारी प्रवास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। गणमान्य अतिथियों ने संग्रहालय में संरक्षित विरासत की सराहना करते हुए कहा कि यह स्थल न केवल चंपारण, बल्कि पूरे देश के स्वतंत्रता आंदोलन की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि गांधी संग्रहालय नई पीढ़ी को सत्य, अहिंसा और राष्ट्रसेवा के मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। परिभ्रमण के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे और प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे

दो बाइकों की आमने सामने की टक्कर में 9 वर्षीय बालक की मौत

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के मटियारिया कांटा के सामने शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में एक 9 वर्षीय बालक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान रौशन कुमार (9 वर्ष), पिता नीलेश पटेल, निवासी ग्राम सिसवा, वार्ड संख्या 13, पंचायत मांगुराहा, थाना मलही के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार रौशन कुमार अपने पटीदारी की बहन के यहां मटियारिया में आयोजित अष्टयाम कार्यक्रम में शामिल होने आया था। इसी दौरान मटियारिया कांटा के सामने दो बाइकों की सीधी भिड़ंत हो गई, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि वह अपने बहनोई अनिल पटेल, पिता ज्ञानी पटेल, निवासी मटियारिया के यहां आया हुआ था। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग जुट गए। घटना की सूचना मिलते ही हरसिद्धि थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त दोनों बाइकों को जब्त कर लिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। हरसिद्धि अपर थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि अब तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मोतिहारी में बड़ी कार्रवाई, 17 गैलन स्प्रिट जब्त; मौके पर पहुंचे एसपी स्वर्ण प्रभात

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जहरीली शराब कांड के बाद जिले में पुलिस और उत्पाद विभाग की कार्रवाई लगातार तेज होती जा रही है। ताजा घटनाक्रम में उत्पाद विभाग और मोतिहारी पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 17 गैलन स्प्रिट जब्त किया है। यह बरामदगी पिपरा कोठी थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव में पटवन वाले नाले से की गई है। सूचना मिलते ही पुलिस और उत्पाद विभाग की टीम ने संयुक्त छापेमारी की। छापेमारी के दौरान नाले से 17 गैलन स्प्रिट बरामद हुआ, जिसका इस्तेमाल जहरीली शराब बनाने में किया जाना था। प्रारंभिक जांच में यह बरामदगी जहरीली शराब के कथित सप्लायर कन्हैया यादव के घर के पीछे से हुई बताई जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात स्वयं मौके पर पहुंचे और अधिकारियों से पूरी जानकारी ली। उन्होंने बरामदगी स्थल का निरीक्षण कर जांच में तेजी लाने का निर्देश दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बरामद स्प्रिट हाल में हुए जहरीली शराब कांड से जुड़े नेटवर्क का अहम हिस्सा हो सकता है। इस बरामदगी के बाद अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। फिलहाल पुलिस और उत्पाद विभाग पूरे मामले की गहन जांच में जुटे हैं। फरार आरोपी कन्हैया यादव की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। प्रशासन ने साफ किया है कि जहरीली शराब कांड से जुड़े किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। इस बड़ी कार्रवाई के बाद माना जा रहा है कि मोतिहारी में जहरीली शराब के नेटवर्क पर प्रशासन की पकड़ और मजबूत हुई है।

संक्षिप्त समाचार

जेडीयू कार्यालय के बाहर निशांत को मुख्यमंत्री बनाने की उठी मांग

बीएनएम @ पटना : बिहार की राजनीति में इन दिनों नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों ने सियासी पारा चढ़ा दिया है। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) कार्यालय के बाहर लगे एक पोस्टर ने इस बहस को और हवा दे दी है, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार को बिहार का अगला मुख्यमंत्री बनाने की मांग की गई है। पोस्टर में उन्हें 'क्लाइमेट लीडर' के रूप में पेश करते हुए नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत संभालने के लिए उपयुक्त बताया गया है। जेडीयू के भीतर से इस तरह की मांग पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आई है।राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी तेज है कि नीतीश कुमार भविष्य में राज्यसभा जा सकते हैं, जिसके बाद मुख्यमंत्री पद के लिए नए चेहरे की तलाश शुरू होगी। हालांकि, अभी तक इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। इस बीच, भाजपा और जेडीयू के बीच सत्ता संतुलन को लेकर खींचतान साफ दिखाई दे रही है। जहां भाजपा अपने नेतृत्व में सरकार की संभावनाएं तलाश रही है, वहीं जेडीयू के भीतर से नए नाम की पैरवी रणनीतिक बढ़त लेने की कोशिश मानी जा रही है। विश्लेषकों के अनुसार, ये घटनाक्रम गठबंधन के भीतर नेतृत्व को लेकर जारी मंथन और भविष्य के बड़े सियासी बदलावों का संकेत हैं।

जहरीले रसायनों से मिट्टी, पानी और पशु उत्पाद भी हो रहे प्रदूषितः कृषि मंत्री

लाल और पीले लेबल वाले कीटनाशकों को कहें 'ना

बीएनएम @ पटनाः बिहार के कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने शनिवार को रासायनिक कीटनाशकों के अंधाधुंध उपयोग पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बताया। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि कीटनाशकों का प्रयोग केवल अनुशंसित मात्रा में ही करें, क्योंकि इनकी अधिकता से खाद्य पदार्थों में जहरीले अवशेष बढ़ रहे हैं, जो कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का मुख्य कारण बन रहे हैं।कृषि मंत्री ने स्पष्ट किया कि इन रसायनों का दुष्प्रभाव केवल फसलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मिट्टी और जल को प्रदूषित करने के साथ-साथ दूध, दही और मांस जैसे पशु-आधारित उत्पादों की गुणवत्ता को भी प्रभावित कर रहा है। उन्होंने किसानों को वैज्ञानिक और सुरक्षित खेती अपनाने की सलाह देते हुए 'एकीकृत कीट प्रबंधन' पर जोर दिया। इसके तहत फसल चक्र अपनाने, कीट-प्रतिरोधी किस्मों का चयन करने और प्रकृति में मौजूद मित्र कीटों के संरक्षण की बात कही गई।मंत्री ने रासायनिक विकल्पों के स्थान पर जैविक कीटनाशकों जैसे नीम तेल, फफूंदनाशी और जीवाणुनाशी के उपयोग को प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने कहा कि रासायनिक कीटनाशकों का उपयोग केवल अंतिम विकल्प के रूप में होना चाहिए। किसानों को अत्यधिक विषैले लाल या पीले लेबल वाले कीटनाशकों के बजाय हरे त्रिकोण लेबल वाले सुरक्षित विकल्पों को चुनना चाहिए। फेरोमोन ट्रैप और लाइट ट्रैप जैसे आधुनिक उपकरणों के प्रयोग पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि संतुलित और टिकाऊ खेती ही स्वस्थ समाज के निर्माण का एकमात्र रास्ता है।

निर्मला कुमारी ने फिर संभाली पुलिस जिले की कमान

बीएनएम @ बगहा : बिहार सरकार के गृह विभाग ने बगहा पुलिस जिले की कमान एक बार फिर स्वाभिमान बटालियन की कमांडेंट निर्मला कुमारी को सौंपी है। वर्तमान एसपी रामानंद कौशल सहित पांच आईपीएस अधिकारियों के अनिवार्य प्रशिक्षण पर जाने के कारण यह बदलाव किया गया है। निर्मला कुमारी पहले भी यहां प्रभारी एसपी रह चुकी हैं, और क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति व पुलिस व्यवस्था पर उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है।कार्यभार संभालते ही उन्होंने कड़ा रुख अपनाते हुए वरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक की और सभी लंबित मामलों की विस्तृत रिपोर्ट तलब की। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि अनुसंधान में कोई भी अस्पष्टता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी थानाध्यक्षों को गश्ती बढ़ाने, कांडों के त्वरित निष्पादन और कानून-व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखने का निर्देश दिया गया है। उनका अनुभव जिले में अपराध नियंत्रण के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

आपूर्ति में गड़बड़ी करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाईःएडीएम

बीएनएम @ बेतिया। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह के निर्देश पर जिले के सभी प्रखंडों में गैस एजेंसियों की सघन जाँच शुरू कर दी गई है। इस अभियान में तेल कंपनियों के प्रतिनिधि और प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी संयुक्त रूप से एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था की पड़ताल कर रहे हैं। अपर समाहर्ता सह जिला आपूर्ति पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा ने स्पष्ट किया कि जाँच रिपोर्ट में दोषी पाए जाने वाले संचालकों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।वर्तमान में जिले में एलपीजी की कोई कमी नहीं है और 19,748 सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। बीते दिन ही 9,708 सिलेंडरों की सफलतापूर्वक होम डिलीवरी की गई है। उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है और प्राप्त 76 शिकायतों को संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों को निष्पादन हेतु भेज दिया गया है। जिला प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। किसी भी शिकायत के लिए जिला कंट्रोल रूम के नंबरों 06254-247002 और 06254-247003 पर संपर्क किया जा सकता है।

कुएं में डूबने से बालक की मौत

बीएनएम @ खैरा (जमुई)। जमुई जिले के खैरा थाना क्षेत्र अंतर्गत खड़ई गांव में शनिवार की सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां चार वर्षीय मासूम की कुएं में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान विनय यादव के पुत्र अंकुश कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब नौ बजे बच्चा घर के पास खेल रहा था, जबकि उसकी मां पास के खेत में कृषि कार्य कर रही थी। इसी दौरान खेलते-खेलते बालक घर से कुछ दूरी पर स्थित एक खुले कुएं में गिर गया।काफी देर तक बच्चे के न दिखने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू की, जिसके बाद उसे कुएं से बाहर निकाला गया। आनन-फानन में उसे खैरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने खुले कुएं को इस हृदयविदारक घटना का मुख्य कारण बताया है।

तुरकौलिया में जहरीली स्प्रिट का कहर जारी, तीसरे दिन तीन और मौतें; मृतकों की संख्या बढ़ी

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया। थाना क्षेत्र में जहरीली स्प्रिट पीने से मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। तीसरे दिन शनिवार को तीन और बीमार लोगों की मौत हो गई, जिससे पूरे इलाके में दहशत और मातम का माहौल है। शनिवार को मरने वालों में हरदिया के लालकिशोर यादव, बालगंगा के लड्डू साह और शेख शरण टोला के इलियास अंसारी शामिल हैं। बताया जाता है कि लालकिशोर यादव और लड्डू साह पिछले तीन दिनों से अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती होकर इलाजरत थे। लड्डू साह ने बालगंगा में शराब पी थी, जिसके बाद उनकी आंखों की रोशनी जाने लगी, पेट में दर्द और उल्टी की शिकायत शुरू हो गई। हालत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के तीसरे दिन उनकी मौत हो गई। लड्डू साह अपने पीछे पांच छोटी-छोटी पुत्रियां छोड़ गए हैं। पिता की मौत के बाद मासूम बच्चियों और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में हर किसी की जुबान पर यही सवाल है कि अब इन बच्चियों का पालन-पोषण कैसे होगा। उधर, हरदिया गांव में शुक्रवार को एक मौत के बाद शनिवार को लालकिशोर यादव की भी जान चली गई। इसके बाद गांव के लोग डरे-सहमे हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के आधा दर्जन से अधिक लोग अभी भी अलग-अलग अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं और सभी के मन में यही डर है कि "अब किसकी बारी है?" मृतक लालकिशोर यादव के बड़े पुत्र ने बताया कि उनके पिता ने तीन दिन पहले हरदिया मठ के पास जम्मू बैठा के ठिकाने पर शराब पी थी। ग्रामीणों का आरोप है कि जम्मू बैठा एक माह पहले ही जेल से छूटकर आया था और फिर से अवैध शराब बेचने लगा था। शनिवार को करीब पांच बजे इस कड़ी में एक और मौत शेख शरण टोला के इलियास अंसारी की हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। बताया गया कि इलियास अंसारी ने अपनी पुत्री की शादी महज दो दिन पहले ही की थी। शादी की खुशियां अभी फीकी भी नहीं पड़ी थीं कि पिता की शराब पीने से मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, इलियास शनिवार सुबह घर से बैरिया बाजार की ओर गए थे। वहां से शराब पीकर लौटने के कुछ देर बाद उनकी आंखों की रोशनी जाने लगी और बेचैनी बढ़ गई। परिजन उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। गौरतलब है कि इस जहरीली शराब कांड में पहली मौत गुरुवार की अहले सुबह रघुनाथपुर के चंदू सिंह की हुई थी। उसी रात परसौना के प्रमोद यादव की भी मौत हुई। शुक्रवार को परसौना के परिछन मांझी, हरदिया के हरि भगत और बालगंगा के संपत साह की जान गई थी। शनिवार को तीन और मौतों के बाद मृतकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

रात्रि छापेमारी पर उठे सवाल, खाद भंडार में तोड़फोड़ व दुर्व्यवहार के आरोप से बढ़ा विवाद

बीएनएम @ घोड़ासहन

घोड़ासहन। थाना क्षेत्र के बसवरिया पंचायत स्थित मुखिया प्रतिनिधि संजीव कुमार के स्वामित्व वाले लक्ष्मी खाद भंडार पर शुक्रवार रात करीब 9 बजे हुई छापेमारी को लेकर गंभीर विवाद खड़ा हो गया है। कार्रवाई के दौरान तोड़फोड़ और दुर्व्यवहार के आरोप सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार छापेमारी के दौरान मौजूद नाइट गार्ड के साथ कथित रूप से अभद्र व्यवहार किया गया, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि कार्रवाई के दौरान प्रतिष्ठान परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया, वहीं कार्यालय के भीतर भी तोड़फोड़ की गई। इस अप्रत्याशित घटनाक्रम से स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है और निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है। घटना की सूचना मिलते ही घोड़ासहन थाना पुलिस मौके पर पहुंची, जिसके बाद छापेमारी की औपचारिक प्रक्रिया पूरी की गई। सुरक्षा के मद्देनजर प्रतिष्ठान पर दोबारा ताला लगाकर दो सुरक्षाकर्मियों की तैनाती कर दी गई है। थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार ने बताया कि छापेमारी पटना से आई पुलिस प्रशासन की टीम द्वारा की गई थी। सीसीटीवी कैमरा टूटने के संबंध में उन्होंने कहा कि सीडीआर निकालने के दौरान तार खींचे जाने से कैमरा अनायास गिरकर क्षतिग्रस्त हो गया। प्रशासन ने पूरे मामले की सूचना जिला कृषि विभाग को दे दी है। अधिकारियों का कहना है कि प्रकरण की सम्यक जांच के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। इधर स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने पूरे मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच की मांग तेज कर दी है, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

प्रशासक की पहचान संवेदनशीलता और ईमानदारीः नीतीश कुमार

मुख्यमंत्री ने युवा वन अधिकारियों को सिखाए कर्तव्यनिष्ठा के गुर

बीएनएम @ पटना

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री आवास स्थित 'संकल्प सभागार' में वर्ष 2024 बैच के बिहार कैडर के प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण संवाद किया। इस बैठक में प्रशिक्षु अधिकारी हिमांशु द्विवेदी, प्रिंस कुमार सिंह, रविन्दर कुमार वर्मा और योगेश बोरकर शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने राज्य के बढ़ते हरित आवरण और भविष्य की पर्यावरणीय चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की।नीतीश कुमार ने रेखांकित किया कि राज्य का हरित आवरण 9 प्रतिशत से बढ़कर अब लगभग 17 प्रतिशत तक पहुँच गया है। उन्होंने युवा अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इस आंकड़े को और बेहतर करने के लिए स्थानीय स्तर पर प्रभावी रणनीति लागू करें। जलवायु परिवर्तन पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कम होती वर्षा और गिरता भूजल स्तर भविष्य के लिए बड़े खतरे हैं। उन्होंने अधिकारियों को वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण को प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता बनाने का आदेश दिया।प्रदूषण नियंत्रण के मुद्दे पर उन्होंने जनभागीदारी और सामुदायिक जागरूकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अधिकारियों को संवेदनशीलता और ईमानदारी के साथ काम करना चाहिए। बैठक में जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी और पर्यावरण विभाग के अपर मुख्य सचिव आनंद किशोर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। यह संवाद बिहार को हरित और संतुलित विकास की दिशा में ले जाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बैरियाडीह दुग्ध समिति का पहला लाभांश वितरण, 751 पशुपालकों में 7.39 लाख रुपये दिए गए

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। प्रखंड क्षेत्र के बैरिया डीह पंचायत वार्ड संख्या 03 स्थित बैरियाडीह दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति (सुधा) द्वारा शनिवार को प्रथम लाभांश वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अरविंद कुमार के दरवाजे पर संपन्न हुआ, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों पशुपालकों और किसानों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। समारोह का संचालन पर्यवेक्षक मुरारी बाबू ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में तिमुल (सुधा) मुजफ्फरपुर डेयरी की अध्यक्ष सुशीला देवी उपस्थित रहीं। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रबंध निदेशक तिमुल मुजफ्फरपुर डेयरी फूल कुमार झा, पूर्व अध्यक्ष राम सजीवन प्रसाद यादव, रमाकांत यादव, मोतिहारी डेयरी के प्रभारी संग्रहण सत्यनारायण राय सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में समिति के सचिव अरविंद कुमार, अध्यक्ष अमरनाथ सिंह, पथ पर्यवेक्षक कन्हैया प्रसाद कुशवाहा, जिला परिषद सदस्य राजेंद्र यादव, मुखिया पति ललन सहनी और जंगबहादुर कुशवाहा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान समिति से जुड़े कुल 751 पशुपालकों के बीच 7 लाख 39 हजार 521 रुपये 77 पैसे का लाभांश वितरित किया गया। लाभांश पाकर पशुपालकों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। मुख्य अतिथि सुशीला देवी ने अपने संबोधन में महिलाओं से पशुपालन में अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पशुपालन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम है और इससे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। वहीं प्रबंध निदेशक फूल कुमार झा ने जानकारी दी कि पूर्वी चंपारण जिले में बैरियाडीह समिति सबसे अधिक दुग्ध संग्रहण करने वाली समिति बन चुकी है। वर्तमान में यहां प्रतिदिन करीब 4000 लीटर दूध का संग्रहण हो रहा है, जिसे अगले वर्ष तक बढ़ाकर 10 हजार लीटर प्रतिदिन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि सुधा डेयरी की महत्वाकांक्षी योजना के तहत अब किसानों के बैंक खातों में सीधे भुगतान की व्यवस्था पूरी कर ली गई है। उन्होंने आगे कहा कि मोतिहारी डेयरी में मिनरल मिक्सचर प्लांट स्थापित किया गया है, जिससे पशुपालकों को बेहतर गुणवत्ता का चारा उपलब्ध कराया जाएगा। इसका उत्पादन जल्द ही शुरू होने वाला है। कार्यक्रम के दौरान समिति सदस्य अरविंद सिंह द्वारा पशुपालकों के बीच चमचम स्वीट्स के पैकेट, बाल्टी, मिल्क कंटी, जरूरतमंदों को अंग वस्त्र, बोनस और पशुओं के लिए दवाइयों का भी वितरण किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में पशुपालक एवं किसान मौजूद रहे, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

बिहार में 6 से 12 अप्रैल तक चलेगा 'जनसंपर्क सप्ताह

» प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने बनाई विशेष रणनीति

बीएनएम @ पटना

पटना। भारतीय जनता पार्टी अपने 45वें स्थापना दिवस को इस बार केवल उत्सव तक सीमित न रखकर इसे जनसंपर्क के एक बड़े अभियान में बदलने की रणनीति बना चुकी है। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने घोषणा की है कि 6 अप्रैल से 12 अप्रैल तक पूरे बिहार में "जनसंपर्क सप्ताह" चलाया जाएगा, जिसमें कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर लोगों से सीधा संवाद करने का लक्ष्य दिया गया है।इस अभियान का मुख्य उद्देश्य न केवल दल की उपलब्धियां गिनाना है, बल्कि जनता से जुड़ाव को और अधिक सुदृढ़ करना है। कार्यकर्ता गांवों और शहरी मोहल्लों में जाकर केंद्र और राज्य की साझा सरकार की योजनाओं की जानकारी देंगे। विशेष जोर इस बात पर रहेगा कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक कैसे पहुँचा है।अभियान की एक महत्वपूर्ण कड़ी यह है कि कार्यकर्ताओं को लोगों की समस्याएं सुनने और उन्हें दर्ज करने की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। नेतृत्व ने निर्देश दिया है कि हर कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में शिकायतों और जरूरतों की सूची तैयार करे, ताकि भविष्य में उनके समाधान के लिए ठोस पहल की जा सके। इससे संगठन को जमीनी स्तर की वास्तविक जानकारी मिलेगी और नीतिगत सुधार की दिशा तय करने में सहायता मिलेगी।प्रदेश नेतृत्व का मानना है कि यह कार्यक्रम संगठन को मतदान केंद्र स्तर तक सक्रिय करेगा। इस माध्यम से दल अपने आधार को मजबूत करने के साथ-साथ विकास के मॉडल को भी जन-जन तक पहुँचाना चाहता है।

हरसिद्धि में दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, 9 वर्षीय बालक की इलाज के दौरान मौत

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के मटियारिया कट्टा के सामने शुक्रवार को करीब 2 बजे दिन में दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में घायल 9 वर्षीय बालक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान रौशन कुमार (9 वर्ष), पिता नीलेश पटेल, निवासी ग्राम सिसवा, वार्ड संख्या 13, पंचायत मांगुराहा, थाना मलही के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार रौशन कुमार अपने पटीदारी की बहन के यहां मटियारिया में आयोजित अष्टयाम कार्यक्रम में शामिल होने आया हुआ था। इसी दौरान मटियारिया कट्टा के सामने दो बाइक की सीधी टक्कर हो गई, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि मृतक के बहनोई अनिल पटेल, पिता ज्ञानी पटेल, निवासी मटियारिया के यहां वह कार्यक्रम में आया था। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की मदद से घायल को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही हरसिद्धि थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों क्षतिग्रस्त बाइकों को जब्त कर लिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। हरसिद्धि अपर थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि अब तक इस मामले में किसी भी पक्ष की ओर से कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रक्सौल बॉर्डर पर एसएसबी की बड़ी कामयाबी, 99 किग्रा गांजा जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ रक्सौल

रक्सौल। भारत-नेपाल सीमा पर नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 47वीं वाहिनी एसएसबी को बड़ी सफलता मिली है। एसएसबी ने नेपाल से भारत लाई जा रही 99.215 किलोग्राम गांजा की खेप जब्त करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार 3 अप्रैल की देर रात गुप्त सूचना के आधार पर मैत्री ब्रिज चेक पोस्ट के समीप बॉर्डर पिलर संख्या 309/3 के पास घेराबंदी की गई। इसी दौरान नेपाल से भारत की ओर आ रही सफेद महिंद्रा एक्सयूवी 500 (BR 03 PA 4477) को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन से 99.215 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी बाजार कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। पूछताछ में चालक ने अपनी पहचान विवेक कुमार, निवासी ग्राम मजारिया, थाना रामगढ़वा, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में बताई। एसएसबी ने आरोपी, बरामद गांजा और वाहन को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए हरैया थाना, रक्सौल को सौंप दिया है। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। 47वीं वाहिनी एसएसबी के कमांडेंट संजय पाण्डेय के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई को सीमा क्षेत्र में नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। एसएसबी ने कहा कि सीमावर्ती इलाकों में नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

गिरफ्तारी का मामला गंभीर

गिरफ्तार लोगों में सबसे संदिग्ध भूमिका अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैन डाइक की है। वह पहले लीबिया और सीरिया के सशस्त्र संघर्षों में शामिल रह चुका है। वह म्यांमार स्थित विद्रोहियों को ड्रोन युद्धकला सिखाने में लगा हुआ था।

छह यूक्रेनी और एक अमेरिकी नागरिक की गिरफ्तारी का मामला गंभीर है। यूक्रेन सरकार ने इन गिरफ्तारियों पर विरोध जता कर इसे रहस्यमय भी बना दिया है। इन लोगों की गिरफ्तारी बागी संगठनों की मदद करने और अवैध हथियार उपलब्ध कराने के आरोप में हुई है। ऐसे में बिना पूरा सच सामने आए यूक्रेन सरकार उनके पक्ष में क्यों खड़ी हो गई? आरोप है कि इन लोगों ने यूरोप से ड्रोन की भारी खेप मंगा कर उसे म्यांमार के सशस्त्र विद्रोही संगठनों को उपलब्ध कराया। ये लोग भारत आकर बिना परमिट हासिल किए मिजोरम चले गए। वहां से सीमा पार कर म्यांमार गए। वहां से लौटने पर भारत की जांच एजेंसी एनआईए ने उन्हें गिरफ्तार किया।

एनआईए के अनुसार म्यांमार के जिन गुटों की मदद ये आरोपी कर रहे थे, उनके भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के विद्रोही संगठनों से हथियारों के आदान-प्रदान एवं प्रशिक्षण में सहयोग के संबंध हैं। ये जग-जाहिर है कि म्यांमार के गृह युद्ध में बाहरी शक्तियों का हाथ भी है। उस संघर्ष के कारण बड़ी संख्या में शरणार्थी भारत आए हैं। बल्कि आरोप है कि वहां से संबंधित उग्रवादियों ने मणिपुर और मिज़ोरम में अपने ठिकाने बना लिए हैं। नई दिल्ली की अदालत में पेशी के दौरान एनआईए ने कहा कि गिरफ्तार लोग भाड़े के सैनिक की भूमिका निभा रहे थे। उनकी गतिविधियां भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनी हैं। एजेंसी ने उन लोगों पर गैर-कानूनी गतिविधि (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया है।

गिरफ्तार लोगों में सबसे संदिग्ध भूमिका अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैन डाइक की बताई गई है। वह पहले लीबिया और सीरिया के सशस्त्र संघर्षों में शामिल रह चुका है, जहां बाहरी मदद से शासकों को हटाया गया था। एनआईए का आरोप है कि वह अपने युद्ध अनुभव का उपयोग म्यांमार स्थित विद्रोहियों को ड्रोन युद्धकला सिखाने में कर रहा था। तो कुल मिलाकर ये गिरफ्तारियां उत्तर-पूर्व में विदेशी हस्तक्षेप की चिंताजनक स्थितियों की ओर इशारा करती हैं। अपेक्षित है कि इस मामले की पूरी जांच हो और इसे अंजाम तक पहुंचाया जाए। इस बीच यूक्रेन के विरोध को नजरअंदाज कर दिया जाना चाहिए।

पश्चिम बंगाल बढ़ती अराजकताः लोकतंत्र के लिए चुनौती

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एसएआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दर्शाता है। मतदाता सूची में नाम जुड़ना या हटना एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसकेलिए स्पष्ट नियम और प्रावधान होते हैं। यदि इस प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाया जाएगा, तो निष्पक्ष चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। एसएआर प्रक्रिया में बाधक बनते हुए जिसे तरह से न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना सामने आयी है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि लोकतंत्र के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। यह उस व्यापक घातक एवं विडम्बनापूर्ण प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें प्रशासनिक और न्यायिक तंत्र को भी राजनीतिक दबाव और भीड़तंत्र के आगे झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशेष रूप से यह तथ्य कि बंधक बनाए गए अधिकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं, इस घटना को और अधिक गंभीर बना देता है। यह न केवल कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता को भी उजागर करता है। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है। 1960 और 70 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद वामपंथी शासन के लंबे कालखंड में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में सामने आई। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल किसी एक दल या विचारधारा की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त एक गहरे संकट की है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, चुनावों के निकट आते ही जिस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील कार्य में लगे अधिकारियों को बंधक बनाना यह दर्शाता है कि कुछ तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार पर सीधा हमला है। इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट

की सक्रियता उल्लेखनीय है। समय-समय पर न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी की याद दिलाई है। किंतु यह भी एक चिंताजनक तथ्य है कि इन निर्देशों का जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखाई देता। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या राज्य प्रशासन एवं सत्तारूढ पार्टी इन निर्देशों को लागू करने में अक्षम है या इच्छुक नहीं है? यदि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चुनाव के समय बढ़ती अराजकता के पीछे राजनीतिक बौखलाहट भी एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। जब किसी दल को अपनी लोकप्रियता में गिरावट का भय होता है, तो वह अक्सर लोकतांत्रिक मर्यादाओं को दरकिनार कर असंवैधानिक उपायों का सहारा लेने लगता है। पश्चिम बंगाल में भी कुछ ऐसी ही प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं, जहां सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं पर विपक्ष को डराने, प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है। नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति इन सभी पहलुओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि चुनाव प्रक्रिया ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नहीं रह जाती, तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मतदाता का विश्वास होता है, और यदि मतदाता को यह लगने लगे कि मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया या प्रशासन किसी राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः कमजोर होने लगती है। इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासनिक नाकामी का प्रश्न भी गंभीरता से सामने आता है। किसी भी राज्य में यदि अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, न्यायिक अधिकारी तक बंधक बना लिए जाते हैं और पुलिस या प्रशासन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाता, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का स्पष्ट प्रमाण है। प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून व्यवस्था बनाए रखना और सरकारी कार्यों को निर्भय वातावरण में संपन्न कराना होता है। यदि प्रशासन यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है, तो इससे जनता में भय और अविश्वास दोनों बढ़ते हैं। जनता का विश्वास ही किसी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी होता है, और जब यही विश्वास डगमगाने लगता है, तो शासन की वैधता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगते हैं। राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कार्यकर्ताओं को संयम, कानून के सम्मान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करें। लेकिन जब राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कटु संघर्ष में बदल जाती है और कार्यकर्ताओं को किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो अराजकता की स्थिति उत्पन्न होती है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक दल चुनाव को युद्ध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्सव के रूप में देखें। आज आवश्यकता इस बात की है कि पश्चिम बंगाल की घटनाओं को केवल एक राज्य की समस्या न मानकर लोकतंत्र के लिए चेतावनी के रूप में देखा जाए। यदि प्रशासनिक तंत्र कमजोर होगा, राजनीतिक दल मर्यादा नहीं रखेंगे, और जनता का विश्वास कम होता जाएगा, तो लोकतंत्र केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान या न्यायालय नहीं कर सकते, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक निष्पक्षता और जनता की जागरूकताकृतीनों का संतुलन आवश्यक है।

पश्चिम बंगाल की वर्तमान परिस्थितियां हमें यही संदेश देती हैं कि लोकतंत्र को केवल चुनाव से नहीं, बल्कि व्यवस्था की निष्पक्षता, कानून के शासन और नागरिक विश्वास से मजबूत बनाया जा सकता है। इस परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है कि राज्य सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका मिलकर ठोस कदम उठाएं। कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए, दोषियों के खिलाफ त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई हो और प्रशासनिक तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखा जाए। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करें। निश्चित ही यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति एक चेतावनी है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो यह अराजकता और गहराई तक फैल सकती है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि हम सभी मिलकर कानून, नैतिकता और सहिष्णुता के मूल्यों को पुनः स्थापित करें। पश्चिम बंगाल आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां से वह या तो लोकतांत्रिक पुनर्जागरण की ओर बढ़ सकता है या अराजकता के गहरे गर्त में गिर सकता है। यह निर्णय न केवल राजनीतिक नेतृत्व, बल्कि पूरे समाज को मिलकर लेना होगा।

अफगानिस्तान से लेकर भारत तक भूकंप के झटके!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

भारत मे दिल्ली-एनसीआर सहित समूचे उत्तर भारत में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके के आने पर लोग घरों से बाहर निकल गए। ये झटके दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा राजस्थानऔर पंजाब सहित कई प्रदेशों में महसूस किए गए हैं। इस भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में बताया जा रहा है।दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस होने से लोग दहशत में आ गए। गनीमत रही कि भूकंप से कहीं जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है।भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान बॉर्डर क्षेत्र में बताया जा रहा है। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.9 मापी गई है। भूकंप के झटके जम्मू-कश्मीर के उधमपुर, पुंछ और कश्मीर घाटी के कई इलाकों में महसूस किए गए हैं।भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र में जमीन के अंदर 175 किलोमीटर नीचे था। भूकंप का केंद्र जमीन के काफी अंदर होने की वजह से इसका असर कम हुआ है। अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सहित उत्तर भारत में भूकंप आने से पहले तिब्बत में धरती हिली थी। तिब्बत में बीती रात करीब 8.12 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। तिब्बत में आए भूकंप की तीव्रता 3.2 मापी गई थी।

पिछले साल म्यांमार और थाईलैंड में दोपहर के समय आए भयंकर भूकंप को रिक्टर पैमान पर 7.9 की तीव्रता का नापा गया था। इतने तेज भूकंप के कारण दोनों ही देशों में भारी तबाही हुई थी। इन देशों की विशाल इमारतें और पुल ढह गए और भारी जान माल का नुकसान हुआ था।थाईलैंड के प्रधानमंत्री शिनवात्रा ने बैंकाक के अंदर आपातकाल की घोषणा की थी। इस भूकंप का केंद्र म्यांमार बताया गया था। जिसका भारी प्रभाव थाईलैंड तक पड़ा था। बैंकॉक में 7.9 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप से इमारतें हिलने लगीं थी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और जर्मनी के जीएफजेड भूविज्ञान केंद्र ने बताया कि दोपहर को यह भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया था, जिसका केंद्र म्यांमार में था। ग्रेटर बैंकॉक क्षेत्र की आबादी 170 लाख से अधिक है, जिनमें से कई लोग ऊंची इमारतों वाले अपार्टमेंट में रहते हैं।दोपहर करीब डेढ़ बजे भूकंप आने पर इमारतों में अलार्म बजने लगे और घनी आबादी वाले मध्य बैंकॉक की ऊंची इमारतों एवं होटल से लोगों को बाहर निकाला गया। भूकंप इतना शक्तिशाली था कि कुछ ऊंची इमारतों के अंदरूनी हिस्सों में 'स्वीमिंग पूल' में पानी में लहरें उठती दिखीं। भूकंप का केंद्र मध्य म्यांमार में था, जो मोनीवा शहर से लगभग 50 किलोमीटर पूर्व में है।थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए जहां सैंकड़ो लोग इमारतों से बाहर निकल आए। हालांकि जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने बताया कि म्यांमार में 6.9 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र मंडाले शहर के पास 10 किमी की गहराई पर था। म्यांमार दुनिया के सबसे भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्रों में से एक माना जाता है।

भारत के पूर्वोत्तर राज्यों मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, असम और नागालैंड राज्यों में आज आए भूकंप से लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। वही दिल्ली व उसके आसपास के क्षेत्र में विगत वर्ष 17 फ़रवरी की सुबह भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए थे,जिसमे कई सेकंड तक धरती डोलती रही थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.0 मापी गई थी, इसका केंद्र दिल्ली के पास ही धरती से 5 किलोमीटर की गहराई में था। इसीलिए तेज झटके महसूस हुए। कुछ सेकंड तक चलने वाले भूकंप के झटके इतने तेज थे कि इमारतों के अंदर जोरदार कंपन महसूस हुआ। भूकंप सुबह 5 बजकर 36 मिनट पर आया था, जिससे लोगों की नींद उड़ गई थी।भूकंप के झटके दिल्ली-एनसीआर भूकंपीय क्षेत्र 4 में आते है, जिससे यहां मध्यम से तीव्र भूकंप आने का खतरा रहता है। समय-समय पर दिल्ली एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस होते रहते हैं, लेकिन इस तीव्रता के झटके बहुत समय बाद महसूस किए गए हैं। उत्तराखंड समेत नेपाल और भारत के अन्य क्षेत्रों में धरती बार बार डोलने लगती है। भूकंप के तेज झटकों से लोग दहशत में आ जाते है।सन 2022 में आए भूकंप के झटके इतने तेज थे कि गहरी नींद में सोए लोग हड़बड़ाहट में उठे और घरों से बाहर की ओर भागे थे।उस समय उत्तराखंड में भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.5 मापी गई थी। दिल्ली के साथ ही नोएडा और गुरुग्राम में भी कई सेकेंड तक भीषण झटके महसूस किए गए। इसके कारण लोग उठ गए और कई लोग अपनी सोसायटी में बाहर निकल आए।ऐसा लगा कि बेड को कोई बहुत तेज धक्का मार रहा है। इस दौरान घर के फैन और झूमर भी भूकंप के असर के कारण तेजी से हिलने लगे।भूकंप पृथ्वी की सतह के हिलने को कहते हैं। यह पृथ्वी के स्थलमण्डल में ऊर्जा के अचानक मुक्त हो जाने के कारण उत्पन्न होने वाली भूकम्पीय तरंगों की वजह से होता है। भूकम्प बहुत हिंसात्मक हो सकते हैं और कुछ ही क्षणों में लोगों को गिराकर चोट पहुँचाने से लेकर पूरी आबादी को ध्वस्त कर सकने की इसमें क्षमता होती है।भूकंप का मापन भूकम्पमापी यंत्र से किया जाता है, जिसे सीस्मोग्राफ कहते है। 3 या उस से कम रिक्टर परिमाण की तीव्रता का भूकंप अक्सर अगोचर होता है, जबकि 7 रिक्टर की तीव्रता का भूकंप बड़े क्षेत्रों में गंभीर क्षति का कारण बन जाता है।भूकंप के झटकों की तीव्रता का मापन मरकैली पैमाने पर किया जाता है।पृथ्वी की सतह पर, भूकंप अपने आप को, भूमि को हिलाकर या विस्थापित कर के प्रकट करता है। जब एक बड़ा भूकंप उपरिकेंद्र अपतटीय स्थिति में होता है, यह समुद्र के किनारे पर पर्याप्त मात्रा में विस्थापन का कारण बनता है। भूकंप के झटके कभी-कभी भूस्खलन और ज्वालामुखी को भी पैदा कर सकते हैं। भूकंप अक्सर भूगर्भीय दोषों के कारण आते हैं।

(लेखक सामाजिक चिंतक व वरिष्ठ साहित्यकार है)

आज का राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा। करियर के मामले में आप अपनी क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां ले सकते हैं। हालांकि, उनको पूरा करने की भी आप पूरी कोशिश करेंगे। छात्रों की मेहनत आज रंग लाएगी, उन्हें आज बहुप्रतीक्षित परीक्षा परिणाम में सफलता प्राप्त होगी। कॉलेज स्टूडेंट्स अपने भविष्य की योजनाओं के बारे में टीचर्स का मार्गदर्शन ले सकते हैं। व्यवसाय में आपको माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा। किसी खास मामले को लेकर आपकी सोच बदल सकती है।

वृषभ राशिःआज आपका दिन आपके लिए राहत पूर्ण रहने वाला है। आपके पारिवारिक जीवन में उत्साह का माहौल रहेगा। इस राशि के कम्प्यूटर की शॉप चलाने वाले लोगों के लिये दिन अत्यन्त महत्वपूर्ण रहने वाला है आपको किसी बड़ी कंपनी से अच्छा ऑर्डर मिल सकता है। छात्रों को अपनी किसी प्रतिभा के लिए पुरस्कार मिल सकता है। पड़ोसी आपके शुभ कामों में आपकी मदद कर सकते हैं। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

मिथुन राशिःआज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप घरेलू चीजों को खरीदने के लिये मार्केट जा सकते हैं। आपके बच्चे आपको हर तरह से सपोर्ट करेंगे। महिलाओं के लिये दिन बेहतरीन रहेगा। आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त हो सकते हैं। माता-पिता का आशीर्वाद आपको मंजिल तक पहुंचाने में मदद करेगा। अगर आप राजनीति के क्षेत्र में हैं तो आप सक्रिय भूमिका निभाएंगे। आज कहीं बाहर यात्रा पर जा सकते हैं।

कर्क राशिःआज आपका दिन ठीक ठाक रहेगा। ऑफिस में किसी से भी व्यर्थ की बहस करने से बचने का प्रयास करें। आपको अपने गुस्से पर भी कंट्रोल रखना होगा। गुस्से में आपका काम बिगड़ सकता है। किसी प्रॉपर्टी में निवेश करने की सोच रहे हैं तो किसी जानकार की सलाह जरूर ले लें। कलाक्षेत्र से जुड़े लोगों के लिये दिन बढ़िया रहेगा। आप किसी सांस्कृतिक समारोह में भाग ले सकते हैं।

सिंह राशिःआज किसी खास व्यक्ति से आपकी उम्मीदें बढ़ी हुई रहेंगी और वह व्यक्ति आपकी उम्मीदों कहर उतरेगा। किसी तरह के वाद विवाद में फसने से बचने का प्रयास करें। साथ ही जो भी काम करें अपने दम पर करें, खुद पर भरोसा रखें सफलता अवश्य मिलेगी। आज किसी से मदद लेने से बचें। छात्रों के लिये दिन सामान्य रहेगा पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ेगी। आप किसी स्कूल या कॉलेज के प्रोजेक्ट पर काम कर सकते हैं।

कन्या राशिःआज आपकी ऊर्जा का स्तर बेहतर रहेगा। आपका काम कम समय में पूरा हो जाएगा। आपके काम से लोग प्रभावित होंगे और आपकी कार्यकुशलता सराहनीय रहेगी। समाज में आपका मान सम्मान बढ़ेगा, परिवार में भी सब लोग आपके पक्ष में रहेंगे। आप किसी रिश्तेदार के यहां फंक्शन में जा सकते हैं। विवाहित लोगों की जिंदगी में सब कुछ अच्छा रहेगा।

तुला राशिःआज आपका मन लेखन कार्यों में रहेगा। आप किसी पुरानी अधूरी रचना को फिर से पूरा कर सकते हैं, इससे आपको मानसिक सुकून मिलेगा। कॉलेज में किसी काम के लिये पुरस्कार दिया जाएगा। आप आगे की पढ़ाई के लिये पूरी मेहनत करेंगे आपका विदेश जाने का सपना पूरा होगा। आज के दिन पैसों के लेन देन में आपको थोड़ी सावधानी बरतनी चाहिए।

वृश्चिक राशिःआज आपका दिन शानदार रहेगा। पहले से बनाई हुई योजनाओं के पूर्ण होने के योग बन रहे हैं। आप किसी नए काम शुरू करने के बारे में सोच सकते हैं। परिवार में सबके साथ आपके रिश्ते अच्छे बने रहेंगे। स्टूडेंट्स अपना प्रोजेक्ट पूरा करने के लिये किसी मित्र से सहयोग मांग सकते हैं। ऑफिस में स्थिति ठीक बनी रहेगी।

धनु राशिःआज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। बिजनेस के मामले में आपको किसी नजदीकी दोस्त से मदद मिलेगी। आपका मन प्रसन्न रहेगा। नव विवाहित किसी ट्रिप का प्लान बनाएंगे। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। छात्र किसी प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। आपको सफलता भी मिलेगी।

मकर राशिःआज मेहनत से किये हुए काम पूरा होने की उम्मीद है, जिससे आपको काफी राहत मिल सकती है, लेकिन आपको समय के प्रति थोड़ी सावधानी बरतनी चाहिए। किसी कार्य में अधिक समय लगाने से दूसरे काम अधूरे रह सकते हैं। आप किसी से मदद मांगने में ना हिचकें। सबके साथ अच्छा व्यवहार बनाये रखें।

कुंभ राशिःआज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आप किसी नए रिश्ते की शुरुआत कर सकते हैं, दिन अच्छा रहेगा। आपको काम के बेहतरीन मौके मिलेंगे। जो लोग जॉब कर रहे हैं उन्हें किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर मिल सकते हैं।

मीन राशिःआज आपकी किस्मत आपका साथ देगी। आपके सारे काम आसानी से पूरे होते दिखेंगे। अपने भविष्य के लिए योजना बना सकते हैं। काम के प्रति सोच विचार में दोस्तों का भी सहयोग मिल सकता है। आज आपकी इच्छा पूरी हो सकती है। इस राशि के बिजनेसमैन कुछ बड़े लोगों से मिल सकते हैं आपकी मुलाकात सफल रहेगी।

नवजीवन का संदेश देता पुनरुत्थान पर्व ईस्टर

योगेश कुमार गोयल

क्रिसमस के अतिरिक्त 'ईस्टर' को भी ईसाई धर्म का सबसे बड़ा और प्रमुख पर्व माना जाता है। एक ओर जहां क्रिसमस ईसा मसीह के जन्म की स्मृति में मनाया जाता है, वहीं ईस्टर उनके पुनरुत्थान का पर्व है। यह पर्व प्रतिवर्ष गुड फ्राइडे के तीसरे दिन रविवार को मनाया जाता है, जिसे 'ईस्टर संडे' भी कहा जाता है। इस वर्ष यह 5 अप्रैल को मनाया जा रहा है। गुड फ्राइडे का दिन ईसा मसीह के बलिदान की याद दिलाता है, जब उन्हें सूली पर चढ़ाया गया था। यह दिन ईसाइयों के लिए शोक और गंभीरता का दिन होता है लेकिन उसके ठीक तीसरे दिन रविवार को जब ईसा मसीह के पुनः जीवित होने की मान्यता है, उस दिन लोगों की खुशी का कोई ठिकाना नहीं होता। उसी पुनरुत्थान की स्मृति में ईस्टर मनाया जाता है, जिसे ईसाई धर्म में परम आनंद और नवजीवन का प्रतीक माना गया है। ईसाई धर्म के अनुसार, ईसा मसीह का पुनर्जीवन उनकी दिव्यता और प्रभुता का प्रमाण माना जाता है। ईसा ने अपने जीवन में प्रेम, करुणा, क्षमा और सेवा का जो संदेश दिया था, वह उनके बलिदान और पुनरुत्थान के माध्यम से और अधिक प्रभावशाली बन गया। ईस्टर के दिन ईसाई समुदाय के लोग गिरजाघरों में एकत्र होते हैं, मोमबत्तियां जलाते हैं, बाइबिल का पाठ करते हैं और यीशु को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हैं। इस दिन को 'ईस्टर दिवस' या 'ईस्टर रविवार' के नाम से भी जाना जाता है। बाइबिल में वर्णित घटनाओं के अनुसार, ईसा मसीह के पुनर्जीवित होने के बाद उन्होंने 40 दिनों तक पृथ्वी पर निवास किया और अपने अनुयायियों को सत्य, प्रेम और करुणा का मार्ग दिखाया। फिर वह स्वर्ग की ओर चले गए। ईस्टर केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है बल्कि यह नवजीवन, उम्मीद और सकारात्मक बदलाव का प्रतीक भी है। माना जाता है कि जब ईसा मसीह पुनः जीवित हुए, तब उन लोगों को भी पश्चाताप हुआ, जिन्होंने उन्हें यातनाएं दी थी और सूली पर चढ़ाया था। ईसाई धर्म की मान्यता है कि 'ईस्टर' शब्द की उत्पत्ति 'ईस्त्र' नामक वसंत और उर्वरता की देवी से हुई है, जिसकी पूजा यूरोप की प्राचीन पौराणिक परंपराओं में की जाती थी। अप्रैल माह में होने वाले उस देवी के उत्सवों के कई तत्व आज भी यूरोप में मनाए जाने वाले ईस्टर उत्सवों में देखे जा सकते हैं। यही कारण है कि इस पर्व को नवजीवन और प्रकृति के पुनरुत्थान के रूप में भी देखा जाता है। कुछ देशों में यह पर्व दो दिन तक मनाया जाता है और दूसरे दिन को 'ईस्टर सोमवार' कहा जाता है। ईस्टर से पहले का रविवार 'खजूर रविवार' या 'पाम संडे' के नाम से जाना जाता है, जो ईसा मसीह के यरुशलम आगमन की स्मृति में मनाया जाता है। कहा जाता है कि 29 ईस्वी में ईसा मसीह गधे पर सवार होकर यरुशलम पहुंचे थे और वहां के लोगों ने खजूर की डालियों से उनका स्वागत किया था। इसी कारण इस दिन को 'पाम संडे' कहा गया। यहीं से उनके खिलाफ षड्यंत्र रचा गया और राजद्रोह के आरोप में उन्हें शुक्रवार को सूली पर चढ़ा दिया गया। यह दिन 'गुड फ्राइडे' के रूप में जाना जाता है, जो ईसाई धर्म में एक अत्यंत पवित्र परंतु शोकपूर्ण दिन होता है। इसके तीसरे दिन जब ईसा मसीह के पुनर्जीवित होने की घटना हुई, तो वह दिन ईस्टर संडे कहलाया। यह घटना ईसाई धर्म में सत्य की विजय और जीवन की पुनः स्थापना का प्रतीक मानी जाती है। ईस्टर की पूजा और आराधना विशेष रूप से उषा काल में की जाती है क्योंकि मान्यता है कि प्रभु यीशु का पुनरुत्थान भोर के समय हुआ था। यह समय प्रतीकात्मक रूप से अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर होने का है। इस अवसर पर ईसाई महिलाएं विशेष आराधना में भाग लेती हैं और अपने विश्वास को प्रकट करती हैं। रात भर जागरण कर प्रभु यीशु के पुनरुत्थान का उत्सव मनाया जाता है। गिरजाघरों में मोमबत्तियों की रौशनी से वातावरण आलोकित हो उठता है। ईस्टर की संध्या और रात्रि को ईसाई समुदाय के लोग विशेष प्रार्थनाएं करते हैं और प्रभु से मार्गदर्शन और आशीर्वाद की कामना करते हैं। ईसा मसीह के पुनर्जीवित होने की घटना ईसाई धर्म में बहुत ही मार्मिक और श्रद्धास्पद मानी जाती है। बाइबिल के अनुसार, जब ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाकर एक कब्र में रखा गया तो उनके अनुयायी गहरे शोक में डूबे हुए थे। गुड फ्राइडे के तीन दिन बाद रविवार को मरियम मदीलिनी नामक महिला कब्र पर गई और देखा कि वहां रखी बड़ी शिला हट चुकी थी। उसने कब्र के भीतर देखा तो ईसा मसीह का शरीर वहां नहीं था, केवल उनका कफन पड़ा था। वह स्तब्ध और व्यथित हो गई। जब वह वहीं बैठकर रो रही थी तो उसे दो स्वर्गदूत दिखाई दिए, एक ईसा के सिर और एक उनके पैरों की जगह खड़ा था। उन्होंने उससे पूछा कि वह क्यों रो रही है। उस महिला ने कहा कि उसके प्रभु को कोई उठा ले गया है। तभी उसने ईसा मसीह को स्वयं सामने खड़ा देखा। ईसा ने कहा कि वह परमपिता के पास जा रहे हैं। यह दृश्य उस महिला के लिए एक अद्भुत अनुभव था, जो उसने तुरंत ईसा के अन्य अनुयायियों को जाकर सुनाया। इस घटना ने अनुयायियों में विश्वास और उत्साह की एक नई ज्योति जगा दी और वे फिर से ईसा मसीह के उपदेशों को फैलाने के लिए प्रेरित हो गए। ईसाई धर्म के अनुसार, पुनरुत्थान के बाद ईसा मसीह ने 40 दिन तक पृथ्वी पर अपने अनुयायियों को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने उन्हें प्रेम, करुणा, क्षमा और सेवा का महत्व समझाया। फिर एक दिन वह अपने शिष्यों के साथ आकाश की ओर उठ गए। यह घटना ईसाई धर्म में 'एसेंशन' या स्वर्गारोहण के रूप में जानी जाती है, जिसे पुनरुत्थान की पूर्णता माना जाता है। ईस्टर के दिन अंडों का विशेष महत्व होता है। अंडे को नवजीवन, उर्वरता और नई शुरुआत का प्रतीक माना गया है। प्राचीन परंपराओं के अनुसार, अंडा जीवन के संभावनाओं से भरपूर होता है, जो सृजन की शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। इसीलिए ईस्टर पर अंडों को रंगकर सजाया जाता है, उन्हें उपहार स्वरूप एक-दूसरे को दिया जाता है और घरों को अंडों से सजाया जाता है। यह परंपरा बच्चों में विशेष रूप से लोकप्रिय होती है और कई स्थानों पर 'ईस्टर एग हंट' नामक खेल भी आयोजित किया जाता है, जिसमें बच्चे छिपाए गए रंगीन अंडों को ढूंढते हैं। ईस्टर केवल धार्मिक और आध्यात्मिक पर्व नहीं है बल्कि यह सामाजिक मेल-जोल, स्नेह और भाईचारे की भावना को प्रकट करने का भी एक माध्यम बन चुका है। इस दिन परिवारजन एक साथ मिलते हैं, विशेष भोज का आयोजन होता है और आनंद व उल्लास का वातावरण बनता है। मोमबत्तियों की रौशनी और रंगीन अंडों की सजावट से घर और चर्च जगमगा उठते हैं। यह पर्व हर व्यक्ति को संदेश देता है कि चाहे जीवन में कितना ही अंधकार क्यों न आ जाए, विश्वास, प्रेम और सत्य की शक्ति से उजाला संभव है। ईस्टर न केवल ईसाई धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है बल्कि यह मानवीय मूल्यों और जीवन की सुंदरता का उत्सव भी है। यह पर्व हमें यह याद दिलाता है कि दुख और मृत्यु के पार भी आशा, पुनरुत्थान और जीवन की संभावना हमेशा बनी रहती है। ईसा मसीह का जीवन और उनके पुनरुत्थान की यह घटना प्रत्येक व्यक्ति को आंतरिक रूप से सशक्त बनाती है और विश्वास दिलाती है कि सत्य कभी पराजित नहीं होता। यही कारण है कि ईस्टर केवल ईसाइयों का ही नहीं बल्कि समस्त मानवता के लिए एक प्रेरणादायक पर्व है, जो जीवन को सकारात्मक दृष्टि से देखने की प्रेरणा देता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल 2026 : सीएसके पर जीत के बाद पंजाब किंग्स को झटका, धीमी ओवर गति के कारण श्रेयस अय्यर पर जुर्माना

एजेंसी, चेन्नई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मैच नंबर 7 में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के कप्तान श्रेयस अय्यर पर बड़ी कार्रवाई की गई है। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले के दौरान टीम द्वारा धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण उन पर जुर्माना लगाया गया है।

आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत, जो न्यूनतम ओवर-रेट से जुड़ा है, यह पंजाब किंग्स का इस सीजन का दूसरा अपराध था। इसके चलते श्रेयस अय्यर पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं, प्लेइंग इलेवन के अन्य खिलाड़ियों और इम्पैक्ट प्लेयर पर भी कार्रवाई करते हुए या तो 6 लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत (जो भी कम हो) का जुर्माना लगाया गया है।

शुक्रवार को खेले गए इस मुकाबले में पंजाब किंग्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 210 रनों के मुश्किल लक्ष्य को 18.4 ओवर में ही हासिल कर लिया। टीम ने 8 गेंद शेष रहते हुए 5 विकेट से जीत दर्ज की। यह इस सीजन में पंजाब की लगातार दूसरी जीत है, जिससे अंक तालिका में उसकी स्थिति मजबूत हुई है।

लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों में 50 रन बनाकर पारी को संभाला और टीम को जीत की ओर अग्रसर किया। वहीं इम्पैक्ट प्लेयर प्रियांश आर्य ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए मात्र 11 गेंदों में 39 रन बनाए, जिसमें 3 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उनकी आक्रामक शुरुआत ने मैच का रुख पंजाब की ओर मोड़ दिया।

इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 209/5 का बड़ा स्कोर खड़ा किया। युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने 43 गेंदों में 73 रन की शानदार पारी खेली, जबकि शिवम दुबे ने नाबाद 45 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। हालांकि, प्रमुख गेंदबाज मथीशा पथिराना की गैरमौजूदगी टीम को भारी पड़ी और गेंदबाज लक्ष्य का बचाव करने में असफल रहे।

पंजाब किंग्स की ओर से विजयकुमार वैशाख ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 2 विकेट हासिल किए। उनकी गेंदबाजी ने सीएसके के स्कोर को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाई।

जीत के बावजूद धीमी ओवर-रेट के कारण हुई कार्रवाई ने पंजाब किंग्स के जश्न को थोड़ा फीका जरूर कर दिया, लेकिन टीम का प्रदर्शन इस मुकाबले में शानदार रहा।

12 लाख से 21 करोड़ तक का सफर, आईपीएल में विराट कोहली बने सबसे महंगे सितारों में शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली

विराट कोहली का नाम आईपीएल के सबसे सफल और भरोसेमंद खिलाड़ियों में शुमार किया जाता है। खास बात यह है कि कोहली उन गिने-चुने खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने 2008 में लीग की शुरुआत से लेकर अब तक अपनी फ्रेंचाइजी रॉयल चेलेंजर बेंगलुरु का साथ नहीं छोड़ा। उनका यह सफर न केवल प्रदर्शन के लिहाज से, बल्कि कमाई के मामले में भी बेहद शानदार रहा है। साल 2008 में जब कोहली को अंडर-19 टीम से स्काउट कर आरसीबी में शामिल किया गया था, तब उनकी सैलरी महज 12 लाख रुपये थी। शुरुआती तीन सीजन तक वह इसी रकम पर टीम के लिए खेलते रहे। हालांकि, उनकी प्रतिभा और निरंतर प्रदर्शन को देखते हुए फ्रेंचाइजी को जल्द ही यह एहसास हो गया कि वह लंबे समय तक टीम की रीढ़ बन सकते हैं।

यही वजह रही कि 2013 में उन्हें टीम की कमान सौंपी गई और उन्होंने 2021 तक कप्तानी करते हुए आरसीबी को नई पहचान दिलाई। इस दौरान उनकी सैलरी में भी लगातार इजाफा होता गया। अगर उनके पहले सीजन की सैलरी की तुलना मौजूदा कमाई से की जाए, तो यह करीब 175 गुना तक बढ़ चुकी है। आईपीएल 2026 में विराट कोहली की सैलरी 21 करोड़ रुपये है, जो उन्हें लीग के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ियों में शामिल करती है। वह न सिर्फ टीम के प्रमुख बल्लेबाज हैं, बल्कि ब्रांड वैल्यू के लिहाज से भी आरसीबी के सबसे बड़े चेहरे बने हुए हैं।

क्रिकेट के अलावा भी कोहली की पहचान एक बड़े ब्रांड के रूप में स्थापित हो चुकी है। विज्ञापनों, ब्रांड एंडोर्समेंट और बिजनेस निवेश के जरिए उनकी कमाई लगातार बढ़ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उनकी कुल संपत्ति 1100 करोड़ रुपये से अधिक आंकी जाती है, जो उन्हें दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेटरों में शामिल करती है। विराट कोहली का यह सफर दर्शाता है कि प्रतिभा, मेहनत और निरंतरता के दम पर एक खिलाड़ी किस तरह नई ऊंचाइयों को छू सकता है और खेल के साथ-साथ आर्थिक सफलता भी हासिल कर सकता है।

फिडे कैंडिडेट्स 2026, राउंड 5 : जावोखिर सिंदारोव ने हिकारू नाकामुरा को हराकर बढ़त बरकरार रखी

एजेंसी, नई दिल्ली

साइप्रस में खेले जा रहे फिडे कैंडिडेट्स 2026 के पांचवें राउंड में जावोखिर सिंदारोव ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए हिकारू नाकामुरा को हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ सिंदारोव 5 राउंड के बाद 4.5 अंकों के साथ एकमात्र बढ़त पर बने हुए हैं। सिंदरोव ने मुकाबले में सही समय पर सेंटर में ब्रेक और सक्रिय रूख के खेल के जरिए नियंत्रण हासिल किया। उन्होंने 14...Nxb4 चाल से व्हाइट के क्वींसाइड विस्तार को सजा दी, इसके बाद 16वीं चाल में c5 खेलकर दबाव बनाया और धीरे-धीरे अपने मोहरों को बेहतर स्थिति में पहुंचाया। इसके बाद उन्होंने किंगसाइड पर f6, h6 और g5 जैसी चालों से दबाव बढ़ाया। 41वीं चाल में gxh4 के साथ निर्णायक प्रहार करते हुए उन्होंने मुकाबला अपने नाम किया।

वहीं भारत के आर प्रज्ञानानंद ने लगातार दूसरे मुकाबले में ड्रॉ खेला। उन्होंने आंद्रेई एसिपेंको के खिलाफ थ्रीफोल्ड रिपीटेशन के जरिए अंक बांटे। प्रज्ञानानंद ने संतुलित शुरुआत की, लेकिन दोनों खिलाड़ी कोई भी निर्णायक बढ़त नहीं बना सके और मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। चौथे राउंड में हार के बाद भारत की दिव्या देशमुख ने वापसी करते हुए तान झोंगयी के खिलाफ ड्रॉ खेला। मुकाबला शुरुआत से ही संतुलित रहा, जहां दोनों खिलाड़ियों ने जल्दी कास्टलिंग कर अलग-अलग विंग्स पर खेलना शुरू किया। मिडिल गेम में तान ने Ra5, Rfa1, Ra7 और नाइट मूव्स से दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन दिव्या ने Nd6, Nd7 और समय पर किंग को सेंटर में लाकर बेहतरीन बचाव किया। 42वीं चाल के बाद उन्होंने पर्पेचुअल चेक के जरिए ड्रॉ सुनिश्चित किया।

महिला क्रिकेट: न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को 66 रन से हराकर जीती वनडे सीरीज

एजेंसी, वेलिंगटन

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को तीसरे वनडे मुकाबले में 66 रन से हराकर सीरीज अपने नाम कर ली। वेलिंग्टन के बेसिन रिजर्व मैदान पर शनिवार (4 अप्रैल) को खेले गए इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने शानदार प्रदर्शन किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम महज 3 रन पर 3 विकेट गंवा बैठी। तुमी सेखुखुने ने सूजी बेट्स और अमेलिया केर को आउट कर शुरुआती झटके दिए, जबकि अयांडा ह्लूबी ने जॉर्जिया प्लिमर को पवेलियन भेजा। इसके बाद मैडी ग्रीन और ब्रूक हॉलिडे ने पारी को संभाला और चौथे विकेट के लिए 211 रनों की बड़ी साझेदारी की। मैडी ग्रीन ने नाबाद 141 रन बनाए, जबकि ब्रूक हॉलिडे 98 रन बनाकर शतक से चूक गईं। न्यूजीलैंड ने निर्धारित 50 ओवर में 7 विकेट पर 306 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम ने अच्छी शुरुआत की और ओपनर्स ने 68 रन जोड़े। इसके बाद कप्तान लॉरा वोलवार्ड्ट और एनरी डर्कसन ने 77 रनों की साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। हालांकि, वोलवार्ड्ट के आउट होते ही टीम लड़खड़ा गई और स्कोर 145/1 से 154/4 हो गया। इसके बाद साउथ अफ्रीका की पारी बिखर गई और नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। रोजमेरी मेयर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए और पूरी टीम को 46.1 ओवर में 240 रन पर समेट दिया।

बिजनेस

सरफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,820 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,980 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। हालांकि चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आई उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,50,940 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,51,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। 22 कैरेट सोना आज 1,38,360 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,38,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु आज भी कल के भाव पर यानी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,51,090 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,50,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,50,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,410 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,50,940 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,50,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,50,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,38,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,50,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,51,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,50,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,38,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

विदेशी मुद्रा भंडार 10.29 अरब डॉलर घटकर 688.06 अरब डॉलर पर

एजेंसी, नई दिल्ली

आर्थिक मोंचे पर झटका लगने वाली खबर है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार तीसरे हफ्ते गिरावट दर्ज हुई है। 27 मार्च को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10.28 अरब डॉलर घटकर 688.06 अरब डॉलर रह गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 27 मार्च को समाप्त हफ्ते में 10.28 अरब डॉलर घटकर 688.06 अरब डॉलर रहा है। इससे पिछले हफ्ते में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 11.413 अरब डॉलर घटकर 698.34 अरब डॉलर रहा था। केंद्रीय बैंक की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार 27 मार्च को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां इस अवधि में 6.62 अरब डॉलर घटकर 551.07 अरब डॉलर रह गईं। इस दौरान उसके स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 3.66 अरब डॉलर घटकर 113.52 अरब डॉलर रह गया है। आरबीआई के अनुसार 27 मार्च को समाप्त हफ्ते में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.64 अरब डॉलर हो गए। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित निधि 1.7 करोड़ डॉलर घटकर 4.81 अरब डॉलर रह गई। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने से पहले 27 फरवरी को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के बाद से रुपया लगातार दबाव में है, और आरबीआई डॉलर की बिक्री के जरिये विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप कर रहा है। इसके साथ ही रुपये की गिरावट को रोकने के लिए कुछ बड़े नीतिगत कदम भी उठाए गए हैं।

जंग का असर-पाकिस्तानी मंत्रियों को 6 महीने सैलरी नहीं, 2 दिन पहले पेट्रोल पर 137 रुपए बढ़े, विरोध के बाद 80 रुपए कम किए

एजेंसी, नई दिल्ली

पाकिस्तान में इजराइल-अमेरिका की ईरान से जंग का असर दिख रहा है। वहां अगले 6 महीने तक मंत्रियों का वेतन रोक दिया गया है। दो दिन पहले पेट्रोल 137 रुपए और डीजल 184 रुपए महंगा किया गया था। हालांकि, देशभर में विरोध हुआ तो शुक्रवार को सरकार ने पेट्रोल 80 रुपए सस्ता कर दिया। अब पाकिस्तान में पेट्रोल 378 रुपए प्रति लीटर मिलेगा। डीजल बढ़ी हुई कीमत 520.35 रुपए प्रति लीटर पर ही मिलेगा। बढ़ती महंगाई और आर्थिक संकट से निपटने के लिए शहबाज शरीफ ने कड़े उपायों का भी ऐलान किया। उन्होंने कहा कि पहले कैबिनेट मंत्रियों की 2 महीने की सैलरी रोकने का फैसला लिया गया था, लेकिन अब मंत्रियों को अगले 6 महीने तक वेतन नहीं मिलेगा। शुक्रवार आधी रात को राष्ट्र को संबोधित करते हुए PM शहबाज शरीफ ने कहा कि सरकार ने जनता पर बोझ कम करने के लिए पेट्रोल टैक्स को 80 रुपए घटाने का फैसला किया है। नई कीमतें देशभर के पेट्रोल पंपों पर तुरंत लागू हो गई हैं। शरीफ ने यह भी साफ किया कि पेट्रोल की ये कीमतें कम से कम अगले एक महीने तक स्थिर रहेंगी। शहबाज सरकार ने दो दिन पहले पेट्रोल पर टैक्स 105 रुपए से बढ़ाकर 160 रुपए कर दिया था। इससे यहां पेट्रोल की कीमत 321.17 रुपए से बढ़कर 458.41 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गई थी। हाई-स्पीड डीजल (HSD) की कीमत भी 184.49 रुपए बढ़कर 520.35 रुपए प्रति लीटर हो गई थी। हालांकि, डीजल पर लेवी को खत्म कर दिया गया था, जिसके बाद पेट्रोल की कीमतों में भी राहत देने की मांग उठ रही थी। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' के बंद होने की वजह से दुनियाभर में पेट्रोलियम सप्लाई प्रभावित हुई है। इसके कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ीं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन हफ्तों से तेल की कीमतें रोजाना बढ़ रही थीं, लेकिन हमने आम आदमी की मुश्किलों को देखते हुए इसका बोझ जनता पर नहीं डाला। सरकार ने इस दौरान करीब 129 अरब रुपए की सब्सिडी दी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के बीच कच्चे तेल की कीमतों में भारी तेजी देखी जा रही है। ब्रैंट क्रूड की कीमत आज 7% की बढ़त के साथ 110 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया हैं। इससे पहले भारत में भी सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर स्पेशल एक्साइज ड्यूटी में 10-10 रुपए की कटौती की थी। पेट्रोल पर ड्यूटी 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए, जबकि डीजल पर 10 रुपए से शून्य कर दी गई। एक्साइज ड्यूटी घटाकर पेट्रोल-डीजल के दामों को स्थिर रखा गया है।

भारतीय शेयर बाजार में तीन दिन रहा बड़ा उतार-चढ़ाव

एजेंसी, मुंबई

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। महावीर जयंती 31 मार्च और गुड फ्राइडे 3 अप्रैल के अवसर पर बाजार बंद रहने के कारण केवल तीन दिन ही कारोबार हुआ। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान संघर्ष की वजह से निवेशकों का मनोबल कमजोर रहा, जबकि सप्ताह के मध्य में सुधार की उम्मीदों ने बाजार को हरा निशान दिखाने में मदद की। विदेशी निवेशकों की निकासी और घरेलू शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत ने सप्ताह की शुरुआत में गिरावट का माहौल बनाया, लेकिन ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी और वैश्विक बाजारों में तेजी से बाजार ने रिकवरी दिखाई। सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी में शुरुआती कारोबार में ही बड़ी गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स 1,191.24 अंक गिरकर 72,391.98 पर आ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 349.45 अंक गिरकर 22,470.15 के स्तर पर था। दिन के अंत में गिरावट और तेज़ हुई और सेंसेक्स 1,635.67 अंक गिरकर 71,947.55 पर, निफ्टी 488.20 अंक गिरकर 22,331.40 पर बंद हुआ। विदेशी निधियों की निकासी ने इस कमजोरी को और बढ़ाया। बुधवार को बाजार ने मजबूत शुरुआत की। वैश्विक बाजारों में तेजी और अमेरिका-ईरान संघर्ष के जल्द समाधान की उम्मीद से निवेशकों का भरोसा बढ़ा। सेंसेक्स ने शुरुआती कारोबार में 1,899.53 अंक की तेजी दिखाई और 73,847.08 पर पहुंचा, जबकि निफ्टी 572.55 अंक बढ़कर 22,903.95 पर रहा। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,186.77 अंक बढ़कर 73,134.32 पर, और निफ्टी 348.00 अंक बढ़कर 22,679.40 पर बंद हुआ। गुरुवार को शुरुआती बिकवाली के बाद दिन के सत्र में बाजार ने रिकवरी दिखाई। सेंसेक्स अपने निचले स्तर से लगभग 950 अंकों की रिकवरी कर पाया और निफ्टी 22,450 का स्तर पार करने में सफल रहा। दोपहर 1 बजकर 43 मिनट पर सेंसेक्स 72,661.06 पर और निफ्टी 22,533.30 पर कारोबार कर रहे थे, जिससे स्पष्ट हुआ कि निवेशक निचले स्तर पर ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी कर रहे हैं। इस दौरान रुपया भी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ।

सुबह सही तो सब सही, सामंथा रूथ प्रभु ने शेयर किया अपना पावर मॉर्निंग रूटीन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग फिटनेस, स्किन और मानसिक शांति के लिए कई तरीके अपनाते हैं, लेकिन अक्सर छोटी-छोटी आदतों को नजरअंदाज कर देते हैं। इसको लेकर अब अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने अपनी पावर मॉर्निंग रूटीन साझा की है। उन्होंने बताया कि कैसे सही तरीके से दिन की शुरुआत करने से न सिर्फ शरीर बल्कि दिमाग पर भी सकारात्मक असर पड़ता है। सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि उन्होंने कई तरह की मॉर्निंग रूटीन आजमाई हैं, लेकिन आखिरकार उन्हें एक ऐसा आसान तरीका मिला जो उनके लिए सबसे ज्यादा असरदार साबित हुआ। उन्होंने इसे पावर मॉर्निंग नाम दिया। सामंथा ने कहा, अगर सुबह सही तरीके से शुरू होती है, तो पूरा दिन सबकुछ सही होता है। ऊर्जा अपने आप बेहतर हो जाती है। वीडियो में सामंथा ने कहती है, कई बार लोग सब कुछ सही करने के बावजूद भी पेट की चर्बी कम नहीं कर पाते, स्किन की समस्याएं बनी रहती हैं या सुबह उठते समय चेहरा सूजा हुआ लगता है। इसकी एक बड़ी वजह गलत मॉर्निंग रूटीन हो सकती है। इसलिए लोगों को अपनी सुबह की आदतों पर ध्यान देना जरूरी है। सामंथा

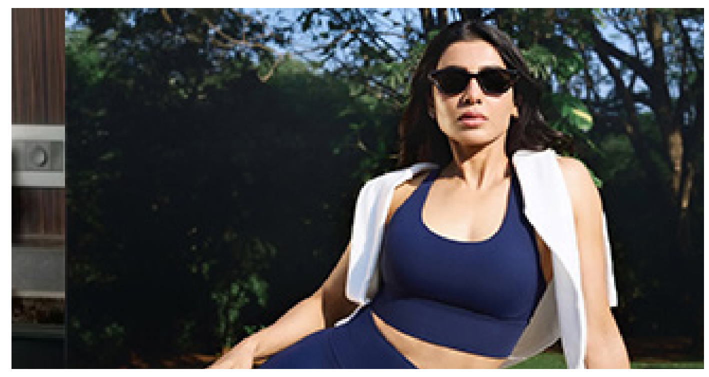

ने खासतौर पर स्ट्रेस हार्मोन कॉर्टिसोल के बारे में बात की। उन्होंने कहा, सुबह उठते ही शरीर में कॉर्टिसोल का स्तर ज्यादा होता है, जो सामान्य है। लेकिन अगर हम उठते ही फोन, न्यूज या काम देखने लगते हैं, तो यह स्ट्रेस और बढ़ जाता है। इससे दिनभर ध्यान कम रहता है। अपनी रूटीन को विस्तार से बताते हुए सामंथा ने सबसे पहला नियम बताया कि उठने के बाद एक घंटे तक फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसके बाद कुछ मिनट शांति में बैठकर गहरी सांस लेनी चाहिए। इससे दिमाग को संकेत मिलता है कि आप सुरक्षित हैं, जिससे शरीर बेहतर तरीके से काम करता है और हेल्थ पर अच्छा असर पड़ता है। इसके अलावा, उन्होंने कहा, उठने के 10 मिनट के अंदर चेहरे पर धूप लेना फायदेमंद होता है। साथ ही एक हेल्दी ड्रिंक और संतुलित नाश्ता ब्लड शुगर को कंट्रोल रखता है। इस वीडियो के कैप्शन में सामंथा ने लिखा, इस रूटीन को बनाने में मुझे कई साल लगे, लेकिन इसका असर मेरी जिंदगी पर गहराई से पड़ा है। आप 21 दिनों तक इस रूटीन को लगातार अपनाएं। शुरुआत में थोड़ी मुश्किल हो सकती है, लेकिन अगर आप इसे जारी रखते हैं तो आप खुद महसूस करेंगे कि आप अपनी जिंदगी को कितना बदल सकते हैं।

फिल्म

अक्षरा सिंह ने सिलेंडर को लेकर किया मजेदार वीडियो शेयर

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच बाजार में सिलेंडर की कालाबाजारी को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। विशेषकर कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी ने महंगाई की चिंता को और बढ़ा दिया है। इस विषय को भोजपुरी इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने अपने खास अंदाज में पेश करते हुए सोशल मीडिया पर एक मजेदार वीडियो साझा किया है, जो तेजी से वायरल हो रहा है। अक्षरा सिंह द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस वीडियो में उनके घर का एक हल्का-फुल्का और हास्य से भरपूर माहौल देखने को मिलता है। वीडियो की शुरुआत में उनकी मां लगातार फोन पर लोगों से गैस सिलेंडर के बारे में बातचीत करती नजर आती हैं। बार-बार सिलेंडर का जिक्र सुनकर अक्षरा को लगता है कि शायद घर में गैस खत्म हो गई है और इसी वजह से उनकी मां परेशान हैं। हालांकि जब अक्षरा अपनी मां से इस बारे में सवाल करती हैं, तो कहानी में मजेदार मोड़ आता है। उनकी मां हंसते हुए बताती हैं कि घर में पहले से ही तीन गैस सिलेंडर मौजूद हैं और वे उन्हें 'ब्लैक' में बेचने की योजना बना रही हैं। वजह भी उतनी ही दिलचस्प है—आने वाली एनिवर्सरी के लिए शॉपिंग करनी है और इसके लिए अतिरिक्त पैसे जुटाने का यह 'जुगाड़' तैयार किया गया है।

वीडियो में मां-बेटी की केमिस्ट्री और संवाद दर्शकों को खूब पसंद आ रहे हैं। दोनों के बीच की नोकझोंक और हास्य से भरे संवाद इस गंभीर मुद्दे को भी हल्के-फुल्के अंदाज में पेश करते हैं, जिससे दर्शक न सिर्फ हंसते हैं बल्कि मौजूदा हालात पर सोचने को भी मजबूर होते हैं। यही वजह है कि यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर किया जा रहा है और लोगों की खूब प्रतिक्रियाएं भी मिल रही हैं। इस वीडियो के साथ अक्षरा सिंह ने अपने नए शो 'चटर पटर' के आगामी एपिसोड का भी ऐलान किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा कि इस शुक्रवार 'चटर पटर' का नया एपिसोड आने वाला है, जिसमें मस्ती, स्वाद और फैमिली वाइब्स का फुल पैकेज देखने को मिलेगा।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत पकड़ बनाने के लिए तैयार 'दृश्यम'

बॉलीवुड स्टार अजय देवगन की सुपरहिट फिल्म दृश्यम अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पकड़ बनाने के लिए तैयार है। फिल्म की कहानी अब स्पैनिश भाषा में नए रूप में पेश की जाएगी। हाल ही में प्रोजेक्ट को लेकर मेकर्स ने पुष्टि की है कि फिल्म का स्पैनिश रीमेक जल्द ही फ्लोर पर जाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म के इंटरनेशनल रीमेक राइट्स खरीदने के द से ही इसे विदेशी दर्शकों तक पहुंचाने की योजना बनाई जा रही थी। अब इस दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रोड्यूसर रोड्रिगो एस्पिनेल ने खुलासा किया है कि फिल्म की शूटिंग इसी साल जून से शुरू होगी। दिल्ली में आयोजित एक इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के दौरान उन्होंने इस प्रोजेक्ट की पुष्टि करते हुए बताया कि तैयारियां अंतिम चरण में हैं। प्रोड्यूसर का कहना है कि 'दृश्यम' की कहानी बेहद दमदार और सार्वभौमिक भावनाओं से जुड़ी है, जिसे किसी भी संस्कृति में आसानी से ढाला जा सकता है। उन्होंने बताया कि स्पेन के दर्शकों के स्वाद और संस्कृति को ध्यान में रखते हुए फिल्म की स्क्रिप्ट को अनुकूलित किया जा रहा है। इसके लिए स्पेन के प्रमुख कलाकारों और एक बड़े निर्देशक को भी साइन किया जा चुका है, जिससे इस रीमेक को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। फिल्म की मूल कहानी एक ऐसे पिता के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी बेटी को बचाने के लिए हर संभव प्रयास करता है, जबकि दूसरी ओर एक मां अपने लापता बेटे की तलाश में है। यह भावनात्मक संघर्ष और पारिवारिक जुड़ाव की कहानी दुनिया भर के दर्शकों को सहज रूप से जोड़ने की क्षमता रखती है। यही कारण है कि इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करना अपेक्षाकृत आसान माना जा रहा है। गौरतलब है कि 'दृश्यम' का मूल संस्करण मलयालम सिनेमा से शुरू हुआ था, जिसमें मोहनलाल ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके बाद हिंदी रीमेक में अजय देवगन के साथ तब्बू नजर आईं और दोनों भागों को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिला। अब इस फ्रेंचाइजी का तीसरा भाग भी निर्माणाधीन है, जिसमें अजय देवगन एक बार फिर विजय सलगांवकर के अपने चर्चित किरदार में दिखाई देंगे।

महिला प्रधान फिल्मों का कम होना चिंता का विषय : भूमि पेडनेकर

मुख्यधारा सिनेमा में महिलाओं के नेतृत्व वाली कहानियां धीरे-धीरे कम होती जा रही हैं। यह कहना है अभिनेत्री भूमि पेडनेकर का। अभिनेत्री का मानना है कि पहले की तुलना में अब ऐसी फिल्में कम बन रही हैं, जिनमें महिला किरदार कहानी के केंद्र में हों। उन्होंने इसे निराशाजनक बताते हुए कहा कि महिलाओं की कहानियां न सिर्फ मनोरंजन करती हैं, बल्कि समाज को नई दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनके अनुसार, इस तरह की फिल्मों का कम होना सिनेमा के विविधता और गहराई दोनों के लिए चिंता का विषय है। अपने करियर के शुरुआती दौर को याद करते हुए भूमि ने बताया कि उन्होंने हमेशा अलग और चुनौतीपूर्ण किरदारों को चुनने की कोशिश की है। उन्होंने वर्ष 2015 में दम लगा के हईशा से अपने अभिनय सफर की शुरुआत की थी।

इस फिल्म में उनके प्रदर्शन को काफी सराहा गया और इसके बाद उन्होंने लगातार ऐसी फिल्मों में काम किया, जो सामाजिक मुद्दों को सामने लाती हैं और दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती हैं। भूमि पेडनेकर ने यह भी कहा कि भले ही बड़े पर्दे पर महिला प्रधान कहानियों की संख्या घट रही हो, लेकिन डिजिटल प्लेटफॉर्म इस कमी को काफी हद तक पूरा कर रहे हैं। उनके अनुसार, ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अभिनेत्रियों को ज्यादा सशक्त और विविध किरदार निभाने के अवसर मिल रहे हैं। यहां की कहानियां अधिक वास्तविक, साहसी और प्रयोगधर्मी होती हैं, जो कलाकारों को अपनी प्रतिभा का पूरा दायरा दिखाने का मौका देती हैं।

उन्होंने आगे कहा कि महिलाएं हमेशा से ही अपने किरदारों के चयन में साहसिक रही हैं और वे ऐसे रोल्स को प्राथमिकता देती हैं, जो सिर्फ मनोरंजन तक सीमित न होकर समाज को कुछ नया सोचने के लिए प्रेरित करें। भूमि के मुताबिक, ओटीटी प्लेटफॉर्म इस तरह के प्रयोगों के लिए एक उपयुक्त मंच बनकर उभरे हैं, जहां कलाकार बिना किसी दबाव के अपने काम को बेहतर तरीके से प्रस्तुत कर सकते हैं। अभिनेत्री का कहना है कि ऐसे प्रोजेक्ट्स उन्हें न सिर्फ एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ने का अवसर देते हैं, बल्कि उन्हें नई चुनौतियों का सामना करने के लिए भी प्रेरित करते हैं।

ये नया सफर जरूर धमाल मचाएगा, मंगल-देश की बेटी के लिए दीपिका सिंह को फैंस ने दी बधाई

भारतीय टेलीविजन की दुनिया में कई शो होते हैं जो दर्शकों के दिल में अपनी खास जगह बना लेते हैं। ऐसे ही शो में से एक है मंगल लक्ष्मी, जो अब अपने नए अध्याय मंगल-देश की बेटी के साथ दर्शकों के सामने आ रहा है। इस नई कहानी में मुख्य किरदार मंगल नई जिम्मेदारियों और चुनौतियों का सामना करती हैं। अभिनेत्री दीपिका सिंह ने इस नई यात्रा को लेकर इंस्टाग्राम पर एक भावपूर्ण पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपनी खुशी, उत्साह और टीम के प्रति आभार जताया। दीपिका ने अपने पोस्ट में लिखा कि वह इस नए चैप्टर को लेकर पूरी तरह से अभिभूत और उत्साहित हैं। उन्होंने दर्शकों को बताया कि इस कहानी में मंगल को देश की सेवा का अवसर मिलता है और वह खुद को विशेष महसूस करती हैं। दीपिका ने अपने कैप्शन में लिखा, मंगल-देश की बेटी के इस नए सफर को निभाने के लिए मैं बेहद खुश, रोमांचित और उत्साहित हूं। उन्होंने अपने पोस्ट में टीम का भी धन्यवाद किया। दीपिका ने कहा कि पिछले 700 एपिसोड्स के दौरान पूरी टीम ने लगातार मेहनत और समर्पण दिखाया। उन्होंने बताया कि दर्शकों का समर्थन ही उनकी इस सफलता की सबसे बड़ी वजह है। उन्होंने अपने फैंस से हर एपिसोड देखने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वे सोमवार से शुक्रवार रात 8:30 बजे इस शो का आनंद लेते रहेंगे।

दीपिका के इस पोस्ट पर कई लोगों ने कमेंट्स किया। एक ने लिखा, दीपिका जी, आपका नया किरदार देखकर बहुत खुश हूं! मंगल का यह रूप बहुत प्रेरणादायक लग रहा है।

दूसरे फैंस ने लिखा, आपकी मेहनत और एनर्जी सच में कमाल की हैं! अन्य ने लिखा, शो देखने के लिए अब और भी उत्साहित हो गए हैं, ये नया सफर जरूर धमाल मचाएगा।, आपकी एक्टिंग हमेशा दिल को छूती है। मंगल लक्ष्मी कन्नड़ टीवी सीरीज भाग्यलक्ष्मी का आधिकारिक रूपांतरण है। इस शो में दीपिका के अलावा सनिका अमित, नमन शॉ और शुभम दीप्ता मुख्य कलाकार हैं। इस कहानी में मंगल अपनी बहन लक्ष्मी के लिए सही जीवनसाथी खोजती हैं।

रणबीर ने बताई 'रामायण' में अपने किरदार के बारे में दिलचस्प बातें

हाल ही में न्यूयॉर्क में फिल्म रामायण की टीम के साथ इसकी पहली झलक पेश की गई, जहां अभिनेता रणबीर कपूर ने 'जय श्री राम' के जयकारे के साथ अपने किरदार को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा कीं। उन्होंने खुलासा किया कि इस भूमिका के लिए खुद को किस तरह तैयार किया और क्यों शुरुआत में इस रोल को ठुकरा दिया था। इवेंट के दौरान वायरल हो रहे वीडियो में रणबीर कपूर ने बताया कि भगवान राम के किरदार में ढलने के लिए उन्होंने सबसे पहले रामानंद सागर की रामायण देखी। उन्होंने कहा कि यह शो भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा है और हर भारतीय के दिल में भगवान राम की कहानी गहराई से बसी हुई है। रणबीर ने बताया कि इस किरदार को निभाने के लिए उन्हें शारीरिक ही नहीं, बल्कि भावनात्मक और आध्यात्मिक स्तर पर भी खुद को तैयार करना पड़ा। उनका मानना है कि इस भूमिका को निभाने के लिए सच्चाई और ईमानदारी बेहद जरूरी है। रणबीर कपूर ने यह भी बताया कि जब फिल्म के निर्माता नमित मल्होत्रा ने उन्हें करीब चार साल पहले इस फिल्म का प्रस्ताव दिया था, तब उन्होंने तुरंत इसे अस्वीकार कर दिया था। उस समय उन्हें लगा कि वह इस किरदार के साथ न्याय नहीं कर पाएंगे और इसके लिए उपयुक्त नहीं हैं। हालांकि समय के साथ उनकी सोच में बदलाव आया। अभिनेता ने बताया कि उनके जीवन में एक खास मोड़ तब आया जब वह पिता बने।

उनकी बेटी राहा के जन्म के साथ ही उन्हें इस फिल्म का प्रस्ताव दोबारा मिला, जिसने उनकी सोच को पूरी तरह बदल दिया। रणबीर ने कहा कि यह उनके जीवन का एक भावनात्मक दौर था, जहां वह अपने जीवन और जीवनशैली में बदलाव लाना चाहते थे। ऐसे में भगवान राम का किरदार निभाने का मौका मिलना उनके लिए एक खास संयोग साबित हुआ, जिसने उनकी जिंदगी को नई दिशा दी। फिल्म के निर्माता नमित मल्होत्रा ने भी बताया कि रामायण को बड़े स्तर पर तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फिल्म का विजुअल स्केल और तकनीकी काम अंतरराष्ट्रीय फिल्मों जैसे द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स और अवतार से प्रेरित है, जबकि इसकी भावनात्मक गहराई ग्लेडिएटर जैसी होगी। फैंस के लिए खास बात यह है कि फिल्म की पहली झलक 2 अप्रैल को हनुमान जयंती के मौके पर जारी की जाएगी। रामायण का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं।

फिल्म धुरंधरः द रिवेंज की तारीफ करते नहीं थक रहे सितारे

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के बड़े सितारे भी फिल्म धुरंधरः द रिवेंज की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। फिल्म की अभिनेता विक्की कौशल और ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने फिल्म की पूरी टीम की खुलकर प्रशंसा की है। विक्की कौशल ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रिया साझा की।

उन्होंने फिल्म देखने के बाद इसे बेहद प्रभावशाली बताते हुए लिखा कि उन्हें इसे देखकर आश्चर्य, खुशी और गर्व तीनों का एहसास हुआ। उन्होंने निर्देशक आदित्य धर की मेहनत, ईमानदारी और विजन की जमकर सराहना की। विक्की ने लिखा कि जिस तरह से फिल्म को तैयार किया गया है, वह सोने के समान कीमती है और इसके लिए आदित्य धर बधाई के पात्र हैं। विक्की कौशल ने फिल्म के मुख्य अभिनेता रणवीर सिंह की परफॉर्मेंस की भी जमकर तारीफ की।

उन्होंने कहा कि रणवीर उन्हें हमेशा प्रेरित करते हैं और एक अभिनेता के रूप में उनकी ऊर्जा और अभिनय शैली बेहद खास है। इसके अलावा उन्होंने आर माधवन और राकेश बेदी के काम की भी सराहना की, जबकि मुस्तफा अहमद के अभिनय को मनोरंजक बताया। फिल्म के तकनीकी पहलुओं की बात करते हुए विक्की ने एडिटर शिवकुमार के काम को अब तक का सर्वश्रेष्ठ बताया। वहीं उन्होंने संगीतकार शाश्वत सचदेव के संगीत की भी प्रशंसा करते हुए खुद को उनका प्रशंसक बताया। इसके साथ ही उन्होंने प्रोडक्शन से जुड़ी कंपनियों और टीम के सदस्यों जियो स्टूडियोज, ज्योति देशपांडे, लोकेश धर और बी62 स्टूडियोज को बधाई देते हुए कहा कि पूरी टीम ने मिलकर शानदार काम किया है और वे सभी सच में 'धुरंधर' हैं। वहीं प्रियंका चोपड़ा ने भी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, आर माधवन, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी समेत पूरी कास्ट को बधाई दी। प्रियंका ने विशेष रूप से निर्देशक आदित्य धर की सराहना करते हुए कहा कि वह एक मिशन के साथ काम करने वाले फिल्ममेकर हैं और यह फिल्म हर पहलू में शानदार है। गौरतलब है कि धुरंधरः द रिवेंज वर्ष 2025 में आई धुरंधर का सीक्वल है। पहले भाग को भी दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, लेकिन दूसरे भाग में कहानी और एक्शन को और ज्यादा भव्य और प्रभावशाली बनाया गया है।

Won't be cowed, says Raghav, AAP brass says he indulged in 'soft PR'

New Delhi, Agency: A day after AAP removed him as deputy leader of the party in the Rajya Sabha, Raghav Chadha declared that he would not be cowed by attempts to silence him, drawing a fierce backlash from his colleagues.

Senior AAP members accused Chadha of being scared of PM Narendra Modi and not raising issues tied to the party's stand. They mentioned his failure to sign the notice seeking the removal of CEC Gyanesh Kumar, and defying the party line on walkouts over issues in the House. Chadha was accused by Punjab CM Bhagwant Singh Mann, leader of the party in the Rajya Sabha Sanjay Singh, and leader of the opposition in Delhi, and Atishi of engaging in "soft PR" in Parliament. Asked by a journalist if he believed Chadha was compromised, Mann replied, "Yes".

Mann criticised Raghav Chadha for raising issues such as the price of samosas at airports while ignoring core issues prioritised by AAP, and accused him of deviating from the party line.

Mann said, "If the party gives a line to raise specific issues, such as valid votes being deleted (in West Bengal), 160 AAP leaders and volunteers being booked in Gujarat, or Punjab's issues, like attempts to polarise communities, MSP, Centre holding back GST funds or rural development fund but someone raises issues of samosas at airports or pizza delivery time, won't it raise doubts that he is talking from a different station?" 'Jo Dar Gaya Samjho Mar Gaya' jibe (those who live in fear are as good as dead), AAP leaders taunted their estranged colleague.

The slugfest started after Chadha, an RS MP from Punjab since 2022, put out a video message on X. "To those who have snatched my right to speak in Parliament, I would like to say don't take my silence for defeat.

'Mastermind' behind judge hostage drama in Bengal arrested at airport

New Delhi, Agency: The West Bengal Police on Friday arrested the alleged mastermind behind the gherao of seven judicial officers in Malda district from Siliguri's Bagdogra airport. The accused, identified as Mofakkarul Islam, was arrested at the Bagdogra airport on Friday morning while he was apparently trying to flee. An NIA probe has been ordered by the Election Commission into the incident as per the directions of the Supreme Court.

The NIA team visited the Mothabari and Kaliachak police stations in Malda on Thursday to probe into the illegal confinement of seven judicial officers by protesting locals over the deletion of names during the special intensive revision of electoral rolls, official sources said. The 24-member team of the federal anti-terror probe agency, led by a DIG-ranked official, spoke to the police and other personnel at Mothabari and collected samples from the spot, where a mob had gathered and allegedly hurled bricks at vehicles when security forces tried to lift the blockade.

Following the arrest of Mofakkarul Islam, a new political flashpoint emerged between the ruling TMC and the BJP.

The TMC claimed that Islam and two others -- with one being the husband of a Bihar BJP leader -- are BJP agents, while the BJP alleged that Islam was close to the ruling party and shared series of pictures on social media, showing him on posters and on stage with TMC chief and West Bengal Chief Minister Mamata Banerjee.

Over 100 fall ill after suspected sewage contamination in Jaipur locality

New Delhi, Agency: Hundreds of residents of the Sushilpura area here have fallen ill over the last week, allegedly due to sewage contamination of the drinking water supply, sparking a health scare.

Several residents have reported similar symptoms such as vomiting, diarrhoea, stomach pain, nausea, and fever, with children and the elderly among the worst affected. Locals claim the crisis has impacted nearly every household, forcing many to rely on water tankers or buy packaged drinking water.

Pooran Mal Kumawat, a resident, said his family has been unwell for several days.

"We have all been suffering from diarrhoea and weakness. My wife even had to take injections," he said.

Another resident, Janki Saini, said the situation has become increasingly difficult. "All three of my children are suffering from stomach pain and fever, and we are arranging water from outside," she said.

Jagdish Sahu, who has spent thousands of rupees on medical treatment so far, highlighted the financial burden caused by the crisis. "My mother and I are unwell, and I had to take my son for treatment. We are buying water daily, which is adding to our expenses," he said.

According to the residents, the problem began after road construction work in the area allegedly damaged underground pipelines, leading to sewage mixing with drinking water. Overflowing drains and broken streets have further worsened conditions, they said.

Dr Anil Mehta, in charge of a nearby government dispensary, said over 150 patients with similar symptoms have been treated in the last three days alone. Private practitioners in the area have also reported a surge in such cases. Civil Lines MLA Gopal Sharma, who visited the area multiple times following protests by residents, said efforts were underway to resolve the issue.

"The government and administration are working hard to find a permanent solution at the earliest, and officials have been directed to restore the clean water supply," he said.

Sharma added that teams from the Public Health Engineering Department (PHED) and the health department have been deployed, and relief measures such as the distribution of medicines and water supply arrangements are being carried out. However, former Congress MLA Pratap Singh Khachariyawas alleged negligence on the part of the authorities and questioned the decision to undertake road work.

Russia offers to scale up crude LNG supplies to India

New Delhi, Agency: With the West Asia crisis continuing to drive volatility in the global energy market, Russia has offered to increase supply of crude oil and natural gas to India even as the two sides agreed to further enhance the overall bilateral ties. The energy cooperation figured prominently in meetings Russia's First Deputy Prime Minister Denis Manturov held with National Security Adviser Ajit Doval and External Affairs Minister S Jaishankar on Thursday, people familiar with the matter said.

Manturov also held talks with Finance Minister Nirmala Sitharaman and called on Prime Minister Narendra Modi last evening.

A Russian readout of the First Deputy Prime Minister's engagements in New Delhi said special attention was accorded to bilateral cooperation in the oil and gas sector.

"Manturov confirmed that Russian companies have the capacity to steadily increase supplies of oil and liquefied natural gas to the Indian market," it said.

The comments came as the West Asia crisis continued to put strain on global energy market largely due to disruptions in supplies of crude oil and gas through the Strait of Hormuz. Global oil and gas prices have surged after Iran virtually blocked the Strait of Hormuz, a narrow shipping lane between the Persian Gulf and the Gulf of Oman that handles roughly 20 per cent of global oil and LNG (Liquefied Natural Gas).

Centre asks states to curb fuel rumours

New Delhi, Agency: The government has directed all states to take measures to curb misinformation on the availability of petrol, diesel and gas, and to prevent black marketing and hoarding of LPG cylinders. In a letter to the chief secretaries of all states and Union territories on Thursday, petroleum secretary Neeraj Mittal also emphasised the need for regular dissemination of information to assure citizens of adequate availability and smooth distribution of LPG cylinders.

"...rumours continue to circulate in certain areas, leading to...panic buying... states/UT govts are requested to intensify proactive and regular public communication," he said.

7th India-flagged LPG tanker crosses Hormuz 17 in queue

New Delhi, Agency: A seventh India-flagged LPG tanker, Green Sanvi, crossed the Strait of Hormuz on Friday. So far, six vessels carrying LPG have reached Indian ports after crossing the Strait since the war broke out in West Asia.

Now 17 Indian ships remain stranded west of the Strait of Hormuz, including two - Green Asha and Jag Vikram - loaded with LPG. These two may soon head to India as well, people aware of the developments said. Media on Thursday had reported that the three LPG carriers were currently drifting northeast of Abu Musa Island in the Persian Gulf, and they were following instructions from the Indian Navy and awaiting orders for transit through the Strait of Hormuz.

Meanwhile, a foreign vessel, purportedly carrying Iranian oil to India, has switched its destination mid-voyage and is now heading towards China. Sumit Ritolia, lead analyst at global analytics firm Kpler, said such mid-voyage destination changes are not unprecedented with Iranian crude and highlight the increasing sensitivity of trade flows to financial terms and counterparty risk.

"The shift appears to be payment-related, with sellers tightening terms, moving away from the earlier 30-60 day credit window towards upfront or near-term settlement," he said. "If the payment issues are resolved, the cargo could still make its way to an Indian refinery," experts said. This underscores how commercial terms are becoming as critical as logistics in determining Iranian crude flows to countries other than China, Ritolia added. As per MarineTraffic data, Ping Shun, an Eswatini-flagged crude tanker, had earlier indicated that it was heading to the Vadinar facility of Deendayal Port at Kandla in Gujarat. The tanker, which is said to be carrying six lakh barrels of crude, is now signalling Dongying in China as its destination.

NCERT granted deemed-to-be university status

New Delhi, Agency: The Education Ministry has notified the National Council of Educational Research and Training as a deemed-to-be university, enabling it to offer academic programmes and confer degrees - a significant structural shift in India's education landscape. NCERT will now be able to offer undergraduate, postgraduate, doctoral and research programmes, and will function under the norms and regulatory framework of the University Grants Commission.

Six of its constituent institutions will come under this framework, including the Regional Institutes of Education in Rajasthan, Madhya Pradesh, Odisha and Karnataka; the North East Regional Institute of Education in Meghalaya; and the Pandit Sunderlal Sharma Central Institute of Vocational Education in Madhya Pradesh.

According to the notification, NCERT can launch new academic programmes, including off-campus and offshore centres, in line with UGC guidelines. It has also been directed to expand research, doctoral and innovative academic offerings in alignment with the National Education Policy 2020.

NCERT had applied for deemed university status under a "distinct category" in September 2022. Following recommendations by the UGC, the Education Ministry issued a Letter of Intent in August 2023, asking the institution to strengthen its research ecosystem, comply with regulatory norms and initiate steps toward launching doctoral and innovative programmes within three years.

The institution submitted its compliance report in November 2025, which was subsequently accepted by a UGC expert committee in January 2026.

Government moves to end toll waiver on ID display; no cash at booths from April 10

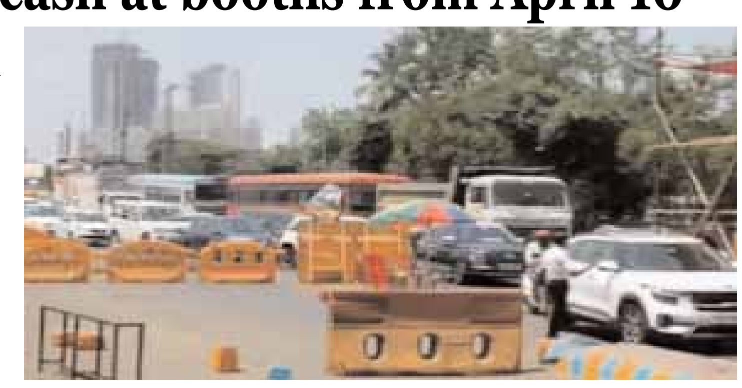

New Delhi, Agency: The road transport ministry on Thursday notified that no cash transactions for toll payments will be allowed from April 10, aiming to reduce queuing of vehicles at toll gates, often a major irritant for commuters.

In a move to eliminate the practice of commuters flashing identity cards at toll booths seeking user fee exemptions on NHs and expressways, the road transport ministry has reached out to government entities and offices to either get "Exempted FASTags" for those who fall under the exemption category or buy a FASTag annual pass. Annual pass for private cars costs Rs 3,075 and allows crossing of 200 toll plazas.

This move is expected to put an end to altercations at toll plazas. Additionally, on Thursday evening, the ministry notified that no cash transactions for toll payments will be allowed from April 10. This aims to reduce queuing of vehicles at toll gates, which is often a major irritant for commuters.

As per the notification, in case a vehicle doesn't have a valid FASTag, the driver or vehicle owner can pay the toll charge through UPI, which will be 1.25 times the normal user fee. If they don't opt to pay the fee through UPI, such a vehicle will be dealt with as per Rule 14 of NH Fee Rules, which provides for denying entry or removing the vehicle from the NH section. The highway authority can also issue an e-notice for a pending toll charge, and failure to make the payment within three days will attract double the charge.

Beauty & borders: Officer's book explores Meghalaya through the eyes of the BSF

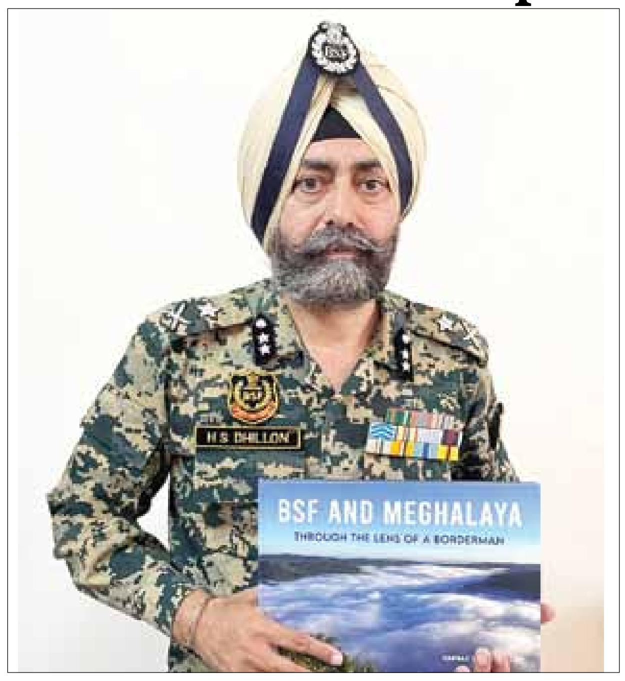

New Delhi, Agency: The north-eastern state of Meghalaya is described as a breathtaking destination, with pristine, lush green landscapes, misty forests, mysterious caves and incredible waterfalls. The 'abode of the clouds' is also known for its friendly populace and vibrant culture.

The state, which attracts hordes of tourists, is also a critical frontier for the Border Security Force (BSF) as it shares a 440 km-long international border with Bangladesh that is vulnerable to infiltration and smuggling, requiring a strong presence of border guarding forces and a dynamic civic action programme to constructively engage locals.

The essence of Meghalaya and the BSF's role in the state has been brought to life by Harbax Singh Dhillon, a top BSF officer, in a coffee table book titled 'BSF and Meghalaya: Through the Lens of a Borderman' that uniquely combines three genres of literary and visual arts - poems and photographs composed and clicked by him and pencil sketches made by BSF personnel.

Presently, Dhillon is posted as Inspector General (Operations), BSF Western Command. He will be moving to the BSF Headquarters in New Delhi this week to accept his promotion to the rank of Additional Director General.

With over 400 pictures, 26 poems and two dozen sketches, the 240-page book illustrates diverse subjects such as BSF deployment, the border fence, women in the BSF, operational challenges, Bangladesh as seen from India, civic engagement, local heritage, everyday life in Meghalaya, festivals, sports and cultural activities, tribes and historical aspects. Spectacular terrain, mesmerising forests, hidden coves and the diverse flora and fauna present a vivid visual journey through the state where, in the author's own words, clouds whisper secrets to the soul and the landscape awakens with an ethereal beauty.

"When I was posted in Meghalaya as Inspector General, I explored the state with the heart of a seeker and the perspective of a poet. As I interacted with residents and intellectuals, I came across numerous fascinating facets of the state that were neither common knowledge nor documented in a single volume," said Dhillon, who has spent 37 years with the BSF and served across multiple frontiers.

"I have also been writing poetry on nature and on the troops and their courage, grit and resilience. It just dawned upon me to write a book which would not only highlight lesser-known facts of Meghalaya, but also be a visual and poetic tribute to the soldiers serving in tough conditions as well as to the charming and friendly people of the state," he added.